राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार07दिसंबर2020 वर्ष–3, अंक–308पृष्ठ–08, मुल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गायत्री प्रजापति के करीबियों की मुश्किलें बढ़ीं, विजिलेंस ने शुरू की बेनामी संपत्तियों की जांच

लखनऊ। आय से अधिक संपत्ति के मामले में उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की तरफ दर्ज कराए गए मुकदमे की जांच पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति के करीबियों पर भी भारी पड़ने वाली है। बेनामी संपत्तियों के बारे में मिली जानकारी से इन करीबियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। विजिलेंस अब इन संपत्तियों के बारे में दस्तावेजी साक्ष्य मांगने की तैयारी में है। शासन की मंजूरी मिलने के बाद विजिलेंस ने पिछले दिनों गायत्री प्रजापति के विरुद्ध आय से अधिक संपत्ति होने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। विजिलेंस की खुली जांच में पता चला कि वर्ष 2012-17 के दौरान मंत्री रहते हुए प्रजापति ने आय से छह गुना अधिक संपत्तियां बनाईं। वैध स्रोतों से उनकी आय 50 लाख रुपये के करीबी थी, जबकि उनके पास तीन करोड़ से अधिक की संपत्तियां मिलीं। विजिलेंस को 22 ऐसी बेनामी संपत्तियों की भी जानकारी मिली, जो इसी अवधि में प्रजापति के करीबियों के नाम पर खरीदी गईं। ये संपत्तियां करीबी रिश्तेदारों, निजी सहायकों और ड्राइवरों के नाम पर हैं। सूत्रों के अनुसार विजिलेंस जल्द ही दस्तावेजों में इन संपत्तियों के खरीददारों से पूछताछ करेगी। यह जानकारी मांगी जाएगी कि उन्होंने उनके पास संपत्तियां खरीदने के लिए धन किन स्रोतों से आया? उनसे आयकर रिटर्न और बैंक खातों के संबंध में भी जानकारी ली जाएगी। ऐसी ज्यादातर संपत्तियां भवन, भूखंड और फ्लैट के रूप में है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पहले से इस मामले की जांच कर रहा है। खनन घोटाले में प्रजापति के विरुद्ध सीबीआई की तरफ से दर्ज की गई एफआईआर के बाद ईडी ने भी मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया था। ईडी इस मामले में प्रजापति व उनके दोनों बेटों समेत कई लोगों से पूछताछ भी कर चुकी है।

5 दौर की बातचीत के बाद भी किसान नेताओं और सरकार के बीच नहीं बनी बात, 8 को भारत बंद

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों के किसान आंदोलन कर रहे हैं। दिल्ली बॉर्डर पर यह प्रदर्शन 11 दिनों से जारी है। शनिवार को किसान संगठनों और केंद्र सरकार के बीच पांचवें दौर की बातचीत हुई लेकिन कोई भी किसी भी निर्णय पर नहीं पहुंच सका। अब एक अगली मीटिंग 9 दिसंबर को होनी तय हुई है। इससे पहले किसानों ने आठ दिसंबर को भारत बंद का ऐलान किया था।

वहीं, किसानों की मांग पर सरकार लगातार उनसे बातचीत कर रही है और आंदोलन खत्म करने के लिए अपील कर रही है। सरकार बीच का रास्ता निकालने की कोशिश मे जुटी है, लेकिन किसान नेता तीनों कृषि कानूनों की वापसी से कम मानने के लिए तैयार नहीं हैं।आइए जानते हैं किसान आंदोलन की अभी तक की दस बड़ी बातें-

1. एमएसपी रहेगी जारी-कृषि मंत्री

कृषि मंत्री ने किसानों से मीटिंग में कहा है कि एमएसपी जारी रहेगी इसपर किसी भी प्रकार की शंका करना गलत है। लेकिन फिर भी अगर किसी प्रकार की कोई बात मन में है तो केंद्र सरकार उसका समाधान करने के लिए तैयार है।

2. 9 तारीख को फिर से होगी मीटिंग

कृषि मंत्री ने बताया कि उन्होंने किसान संगठनों से भी सुझाव मांगे, लेकिन बातचीत के दौर में यह संभव न हो सका। अब 9 तारीख को फिर से मीटिंग रखी गई है। किसानों ने किसी भी तरह का समझौता करने से इंकार कर दिया गया है।

3. किसानों द्वारा 8 तारीख को भारत बंद

किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के रवैये को देखते हुए 8 तारिख को भारत बंद का ऐलान किया है। इसपर कृषि मंत्री ने कहा, ÷मैं इसपर किसी प्रकार की कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं, भारत सरकार कई दौर की चर्चा कर चुकी है आए आगे भी करने के लिए तैयार है। आज बातचीत पूरी नहीं हो पाई इसलिए

9 तारीख को फिर से मीटिंग बुलवाई गई है।

4. शनिवार को हुई थी 4 घंटे की बैठक

शनिवार को हुई 4 घंटे की बैठक में किसानों ने अपनी नाराजगी मौन विरोध करके दिखाई। उन्होंने मीटिंग में केवल केंद्र सरकार से पूछा कि क्या वह कृषि कानून रद्द करेंगे? हां या न?

आंदोलन पर बैठे अन्नदाता बोले- हमारी दशा देखकर, हमारे बच्चे किसान नहीं बनना चाहते

5. प्रधानमंत्री और गृह मंत्री भी कर रहे हैं मंत्रियों के साथ बैठक

शनिवार की मीटिंग इस सप्ताह की तीसरी मीटिंग थी। यह गृह मंत्री अमित शाह सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के बीच हुई उच्च-स्तरीय बैठक के बाद हुई थी।

6. एमएसपी योजना को आगे बढ़ने की मांग

गुरुवार को हुई मीटिंग में किसान संगठनों द्वारा कृषि कानूनों पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए 39 सूत्रीय प्रस्तुति दी, उन्होंने संशोधन के लिए इनकार किया और एमएसपी योजना को आगे बढ़ाने पर लिखित आश्वासन की मांग की।

7. सरकार की ओर से आंदोलन खत्म करने की अपील

सरकार द्वारा किसानों से लगातार प्रदर्शन खत्म करने की अपील की जा रही है। लेकिन किसानों के कहना है कि वह पूरे 1 साल की तैयारी के साथ आए हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने शनिवार को कहा कि किसान थकने वाले नहीं हैं। वह सरकार से हां या न में जवाब चाहते हैं। सरकार तय करे कि वह क्या करना चाहती है।

8. 40 किसान संगठनों के साथ हुई थी बातचीत

शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में 40 किसान सगंठनों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्र की तरफ से कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, रेल , वाणिज्य और खाद्य मंत्री पीयूष गोयल अहरु वाणिज्य राज्य मंत्री सोम प्रकाश ने बातचीत की थी।

9. केन्द्र सरकार मंडी और एमएसपी व्यवस्था पर दे रही है जोर

सितंबर में लागू तीनों कृषि कानूनों को सरकार ने बड़ा सुधार करार दिया है। हालांकि किसानों द्वारा लगातार इसका विरोध किया जा रहा है। केंद्र सरकार अभी भी अपनी बात पर अड़ी हुई है वह इस बात पर बार-बार जोर दे रही है कि मंडी और एमएसपी की व्यवस्था जारी रहेगी और इसमें कुछ सुधार किया जाएगा।

10. अभी तक हुई 3 मौतें

अभी तक हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन किसान मौतें दर्ज की गई हैं। किसानों ने केंद्र से कहा है कि यह अमानवीय है। विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए 2 किसानों के लिए गुरुवार को पंजाब सरकार ने उनके परिवारों को 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है।

धुंध बढ़ने से एयरपोर्ट पर विमानों की आवाजाही प्रभावित, पटना के 12 विमान लेट

पटना। मौसम का असर जनजीवन पर पड़ने लगा है। धुंध बढ़ने से दृश्यता की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। शनिवार को सुबह से सूबे के अधिकतर भाग में विजिबिलिटी का स्तर काफी नीचे चला गया। लगातार दूसरे दिन पटना एयरपोर्ट के विमानों की आवाजाही प्रभावित हुई। धुंध की बढ़ोतरी की वजह से पटना में विजिबिलिटी 400 मीटर के इस सीजन के सबसे न्यूनतम स्तर तक पहुंच गई। शुक्रवार को यह पांच सौ मीटर दर्ज की गई थी। नौ-साढ़े नौ बजे तक दृश्यता आठ सौ मीटर के आसपास थी। दिन दस बजे के बाद मद्धिम धूप निकलने पर विजिबिलिटी बेहतर हुई। इसके बाद विमानों के उतरने की राह सुनिश्चित हुई। इस वजह से पटना के एक दर्जन विमान शनिवार को देर से उड़े और उतरे। लेटलतीफ विमानों में अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरू के विमान शामिल हैं। इधर, पर्वतीय इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बर्फबारी और बारिश की स्थिति बनी है। अगले कुछ दिनों में पश्चिमी विक्षोभ का असर मैदानी इलाकों में दिखेगा। नौ दिसंबर से सूबे के अधिकतर शहरों का तापमान नीचे आएगा। बर्फीली हवाओं के प्रवाह की वजह से कनकनी बढ़ेगी और न्यूनतम पारा रात में सताएगा। कोल्ड डे व कोल्ड वेव की स्थिति भी बन सकती है। फिलहाल सूबे में चक्रवाती हवा का क्षेत्र बना हुआ है, जिसकी वजह से न्यूनतम तापमान चढ़ा हुआ है। इस स्थिति से निजात मिलने और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव पसरने के बाद सूबे में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं। इधर, मौसमविदों का कहना है कि अगले 48 घंटों में धुंध और कोहरे की स्थिति इसी तरह बनी रहेगी। नदी - तालाबों के आसपास कोहरा छाने लगा है। धीरे-धीरे यह विस्तार को प्राप्त करेगा। मंद-मंद हवा चलने से प्रदूषक अभी वायुमंडल के निचले सतह पर जमा हो जा रहे हैं, जिससे धुंध की चादर आसमान में पसरी रह रही है। तेज हवाओं के प्रवाह से ही धुंध से निजात मिलने के आसार हैं। जिसकी संभावना अभी कम ही दिख रही है।

ऐसा रहा सूबे के शहरों का तापमान–पटना में शनिवार को ठंड की स्थिति सामान्य रही। सुबह में धुंध की स्थिति होने की वजह से लोग घरों से देर से निकले। दिन में धूप निकली लेकिन यह प्रभावहीन रही।

मध्यप्रदेश में नगरीय निकाय चुनावों को लेकर कवायद तेज, जल्द हो सकती है तारीखों की घोषणा

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कवायद तेज हो गई है। एक ही दिन में नगरीय विकास एवं आवास विभाग व जिला प्रशासन ने महापौर पद के आरक्षण की प्रक्रिया के लिए पत्राचार कर लिया। शनिवार को विभाग ने कलेक्टर भोपाल को पत्र लिखा है। इसमें बताया गया है कि नौ दिसंबर को रवींद्र भवन में सुबह 11 बजे महापौर पदों के आरक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस पर कलेक्टर कार्यालय से भी नगर निगम आयुक्त वीएस चौधरी कोलसानी को व्यवस्थाओं व शर्त संबंधी पत्र जारी कर दिया गया।

प्रदेश में 407 नगरीय निकायों में महापौर व अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण होना है। इनमें 16 नगर निगम, 99 नगर पालिका और 292 नगर परिषद हैं। नगरीय निकाय चुनावों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने भी तैयारी पूरी कर ली है। लिहाजा निकाय चुनाव की तारीख जल्द घोषित किए जाने का अनुमान है। चुनाव एक जनवरी 2020 की मतदाता सूची के आधार पर ही कराए जाएंगे। आयोग चुनाव के

प्रदेश में 407 नगरीय निकायों में महापौर व अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण होना है। इनमें 16 नगर निगम, 99 नगर पालिका और 292 नगर परिषद हैं। नगरीय निकाय चुनावों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने भी तैयारी पूरी कर ली है। लिहाजा निकाय चुनाव की तारीख जल्द घोषित किए जाने का अनुमान है।

लिए अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है। वह भी अंतिम चरण में है। उधर, नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय में चुनावी कार्रवाई को लेकर बैठकों का दौर भी चल रहा है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त निकुंज श्रीवास्तव ने सूचना भी जारी कर दी है कि मप्र नगर पालिका (महापौर तथा अध्यक्ष के पद का आरक्षण) नियम 1999 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने इन शर्तों पर दी आरक्षण प्रक्रिया की अनुमति -

आयोजन के दौरान हॉल की क्षमता के 50 प्रतिशत व अधिकतम 100 व्यक्तियों के मौजूद रहने की अनुमति होगी।

प्रक्रिया के दौरान धर्म व संप्रदाय को ठेस पहुंचाने वाली भाषा का उपयोग नहीं होगा।

स्थल पर अस्त्र-शस्त्र पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे।

कोरोना संक्रमण की गाइडलाइन का पालन करना होगा।

स्थल पर नारे पोस्टर लगाना प्रतिबंधित रहेगा।

अनुमति आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त की जा सकती है।

ब्रिटेन और बहरीन के बाद फाइजर ने भारत में कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग के लिए मांगी मंजूरी

नई दिल्ली। दवा निर्माता कंपनी फाइजर की भारतीय इकाई ने उसके द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की औपचारिक मंजूरी के लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) के समक्ष आवेदन किया है। फाइजर ने उसके कोविड-19 टीके को ब्रिटेन और बहरीन में ऐसी ही मंजूरी मिलने के बाद यह अनुरोध किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दवा नियामक को दायर किए गए अपने आवेदन में कंपनी ने देश में टीके के आयात एवं वितरण के संबंध में मंजूरी दिए जाने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, दवा एवं क्लीनिकल परीक्षण नियम, 2019 के विशेष प्रावधानों के तहत भारत की आबादी पर क्लीनिकल परीक्षण की छूट दिए जाने का भी अनुरोध किया है। सूत्र ने बताया कि फाइजर इंडिया ने भारत में उसके कोविड-19 टीके के आपातकालीन उपयोग की मंजूरी के लिए चार दिसंबर को डीजीसीआई के समक्ष आवेदन किया है। ब्रिटेन ने बुधवार को फाइजर के कोविड-19 टीके को आपातकालीन उपयोग के लिए अस्थायी मंजूरी प्रदान की थी। ब्रिटेन के बाद बहरीन शुक्रवार

को दुनिया का दूसरा देश बन गया है जिसने दवा निर्माता कंपनी फाइजर और उसके जर्मन सहयोगी बायोएनटेक द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल की औपचारिक मंजूरी दी है। दवा कंपनी पहले ही अमेरिका में ऐसी ही मंजूरी के लिए आवेदन कर चुकी है।

आपातकाल को असंवैधानिक घोषित करने और 25 करोड़ के मुआवजे की मांग, सुप्रीम कोर्ट सोमवार को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट आपातकाल को असंवैधानिक घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। 94 साल की महिला ने यह याचिका दायर की है और आपातकाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से 25 करोड़ रुपये मुआवजा दिलाने की भी मांग की है। जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी और जस्टिस ऋषिकेश रॉय की पीठ वीना सरीन की याचिका पर सात दिसंबर को सुनवाई करेगी।

जान बचाने के लिए छोड़ना पड़ा था देश

वीना सरीन ने कहा है कि उन्होंने, उनके दिवंगत पति और परिवार ने आपातकाल के दौरान किए गए अत्याचारों के पूरा जीवन अत्यधिक पीड़ा और दुख में गुजारा है। इसी की भरपाई के लिए उन्होंने यह याचिका दायर की है। सरीन ने कहा कि जून, 1975

में जब देश में आपातकाल की घोषणा की गई थी, तब उनके परिवार को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। उन्हें अपनी जान बचाने के लिए देश से बाहर जाना पड़ा।

रोजी-रोटी तक छीन ली

दिल्ली के करोल बाग और कनाट प्लेस में उसके पति की ज्वेलरी की दुकानें थी, जिसे प्रशासन ने सीज कर दिया था और सारे सामान उठा ले गए थे। सरीन ने कहा है कि उनके पति ने 25 साल की कड़ी मेहनत से यह व्यवसाय खड़ा किया था।

प्रशासन के दबाव ने पति की ले ली जान

पुलिस ने उन्हें और उनके पति को बहुत डराया धमकाया था। उनकी चल और अचल संपत्तियां भी जब्त कर ली गई थी। सरीन ने कहा कि उनके पति यह दबाव सह नहीं पाए और उनकी मृत्यु हो गई। आपातकाल के दौरान उनके परिवार के साथ जो ज्यादती की गई, पति की मौत के बाद वह उसके खिलाफ अकेले लड़ती रहीं। फिलहाल वह अपनी बेटी के साथ देहरादून में रहती हैं।

हाई कोर्ट के आदेश पर कुछ अचल संपत्तियां मिलीं

सरीन ने दिसंबर, 2014 के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले का भी हवाला दिया है, जिसमें अदालत ने उनके पति के खिलाफ चल रही कार्यवाही को खत्म कर दिया था। उन्होंने कहा है कि प्रशासन ने उनके पति से करोड़ों रुपये का सामान जब्त किया था, जो उन्हें अभी तक नहीं मिला है। इस साल हाई कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें कुछ अचल संपत्तियां को मिली हैं, लेकिन चल संपत्तियां नहीं मिली हैं।

बेहद खास होगी देश की नई संसद भवन की इमारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों संसद की नई इमारत के शिलान्यास के साथ ही निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा। देश की आजादी के 75वें साल यानी वर्ष 2022 में संसद के दोनों सदनों की बैठकें आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस नए भवन में होंगी। पुराना भवन प्राचीन धरोहर का हिस्सा बन जाएगा। श्रम शक्ति भवन को तोड़कर उसकी जगह नई इमारत बनाई जाएगी, जिसमें हर सांसद का अपना कार्यालय होगा।

लोस अध्यक्ष ने पीएम को दिया न्योता–लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर नए संसद भवन के भूमि पूजन व शिलान्यास समारोह का न्योता दिया। इसके बाद बिरला ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि आजाद भारत में बनाए जाने वाले नए संसद भवन का शिलान्यास हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है। संसद के मौजूदा भवन में सांसदों के संवैधानिक दायित्व के निर्वाहन के लिए आधुनिक युग के हिसाब से कई कमियां हैं। नई इमारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के गौरव के अनुरूप होगी।

दिखेगी संस्कृति व धरोहरों की झलक–नए भवन की ऊंचाई संसद के मौजूदा भवन के बराबर ही होगी। इसमें एक बेसमेंट सहित तीन फ्लोर होंगे। नई इमारत पुरानी से करीब 17,000

वर्गमीटर ज्यादा बड़ी होगी। इसमें देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के सफर के साथ-साथ विविध संस्कृति और धरोहरों की झलक दिखेगी।

जोड़े गए शिल्पकार व कलाकारों के संगठन–आधुनिक भवन में देश की विरासत के इतिहास और विविधता को दर्शाने के लिए करीब 200 शिल्पकार और कलाकारों के संगठनों को भी निर्माण कार्य से जोड़ा गया है। पुराने संसद भवन के उपयोग के सवाल पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह हमारे देश की आजादी, संविधान निर्माण के साथ लोकतंत्र के परिपक्व होने का साक्षी है, जिसे पुरातात्विक संपत्ति के रूप में बेहतर तरीके से रखा जाएगा।

सभी दलों को भेजा जाएगा निमंत्रण–शिलान्यास के मौके पर राष्ट्रपति और राजनीतिक दलों के नेताओं को बुलाने के सवाल पर बिरला ने कहा कि कोविड प्रोटोकाल के तहत इस बारे में अंतिम फैसला लिया जा रहा है। बेशक सभी दलों के नेताओं को निमंत्रण भेजा जाएगा, जिनमें कुछ लोग सीधे तो कुछ वर्चुअल रूप से समारोह में शामिल होंगे। मौजूदा संसद भवन का निर्माण ब्रिटिश शासनकाल में किया गया था। इसकी नींव 12 फरवरी, 1921 को रखी गई थी। भवन का निर्माण 83 लाख रुपये की लागत से छह साल में पूरा हुआ था। तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड इरविन ने 18 जनवरी, 1927 को इसका उद्घाटन किया था। इस भवन की डिजाइनिंग एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर ने की थी। ब्रिटिश सरकार ने इन्हें नई दिल्ली के नियोजन व निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी थी। संसद का नया भवन ईंट- पत्थर का नहीं, बल्कि 130 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं का भवन होगा। इसके निर्माण में अगले 100 साल से अधिक की जरूरतों पर ध्यान दिया जा रहा है।

ओम बिरला, लोकसभा अध्यक्ष

नए भवन की खासियत पर एक नजर

888 सदस्यों के बैठने की लोकसभा कक्ष में होगी व्यवस्था (सामान्य स्थिति में)

326 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था होगी राज्यसभा कक्ष में

1,224 सदस्य संयुक्त अधिवेशन के दौरान बैठ सकेंगे लोकसभा कक्ष में

2,000 मजदूर और इंजीनियर प्रत्यक्ष तौर पर निर्माण कार्य में शामिल होंगे

9,000 से अधिक लोग परोक्ष रूप से जुड़ेंगे निर्माण कार्य से

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

तैयारी वैक्सीनेशन की

वैश्विक महामारी कोरोना को लेकर भारत सरकार की तैयारियां अब अंतिम स्टेज पर पहुंच गई हैं। सरकार ने कोरोना के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक में टीके को लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसमें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। बैठक में यह साफ कर दिया गया कि कोविड़-19 का टीका सबसे पहले किसे लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के मुताबिक पहला टीका बीमारों, बुजुर्गों और हेल्थ वर्कर्स को लगाया जाएगा। साफ संकेत है कि कुछ हफ्तों में कोरोना वैक्सीन तैयार हो जाएगी। हालांकि जो बातें सरकार के हवाले से कही गई, उनमें अंतर दिखता है। पहले सरकार ने कहा था कि सभी लोगों को टीका लगाया जाएगा। ज्ञातव्य है कि एक हफ्ते से वैक्सीन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी काफी सक्रिय हैं। 28 नवम्बर को उन्होंने पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद के जायडस बॉयोटेक पार्क और हैदराबाद में भारत बॉयोटेक फैसिलिटी का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया था। 30 नवम्बर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जेनोवा बायोफार्मा, बायोलॉजिकल ई और डॉ. रेड्डीज की टीमों से चर्चा की। करीब-करीब आठ ऐसी संभावित वैक्सीन हैं, जो ट्रायल के अलग-अलग चरण में हैं। इनकी मैन्युफैक्चरिंग भारत में ही हुई है यानी बाकी देशों के मुकाबले भारत टीका विकसित करने और इसे आम जन तक सहजता के साथ पहुंचाने के करीब है। वैक्सीन के डिस्ट्रब्यूशन को लेकर भी केंद्र और राज्यों की टीमें मिलकर काम कर रही हैं। अन्य देशों के मुकाबले हम बेहतर स्थिति में हैं। हमारे पास टीकाकरण के लिए दुनिया का बहुत बड़ा और अनुभवी नेटवर्क है। काम जवाबदेही और ईमानदारी के साथ होग इसके लिए कोरोना वैक्सीन से जुड़े अभियान का दायित्व नेशनल एक्सपर्ट ग्रुप को दिया गया है। यह ग्रुप राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। इन सब तैयारियों के बावजूद सभी को उन निर्देशों का पालन अनुशासित तरीके से करना होगा जो पहले बताएगए हैं। मसलन, मास्क लगाना, दो गज की दूरी और साबुन से हमेशा हाथ धोना। निश्चित तौर पर अगर वैक्सीन अगले साल की शुरुळआत में आ जाती हैग तो यह न केवल भारत के लिए, बल्कि बाकी देशों के लिए भी राहत की बात है। निश्चित तौर पर वैज्ञानिक और सरकार इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

उम्मीदों के आंकड़े

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी के जो आंकड़े सामने आये हैं, वे अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के संकेत कहे जा सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियां और वित्तीय संस्थान अर्थव्यवस्था में दस फीसदी तक गिरावट की जो आशंका जता रहे?थे, वह निर्मूल साबित हुई है और यह साढ़े सात प्रतिशत पर जा टिकी है। निस्संदेह अभी चुनौतियां खत्म नहीं हुई हैं लेकिन चिंताओं के विपरीत अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार की उम्मीदें जगी हैं। आर्थिकी की दूसरी तिमाही का यह दौर जून से सितंबर तक वह था जब देश में अनलॉक की प्रक्रिया चल रही थी। इसके बावजूद अर्थव्यवस्था ने रवानगी पकड़ी। हालांकि, दूसरी तिमाही में भी विकास दर का नकारात्मक होना तकनीकी रूप से इस बात का संकेत जरूर है कि देश की आर्थिकी मंदी के भंवर की ओर उन्मुख हो चली है लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ इस बात से उत्साहित हुए हैं कि विकास दर में सुधार उम्मीदों से ज्यादा है। निस्संदेह पहली तिमाही में करीब चौबीस फीसदी की गिरावट के बाद दूसरी तिमाही में विकास दर साढ़े सात प्रतिशत रहना उम्मीद जगाने वाली है।?अब ऐसा भी नहीं है कि तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था कुलांचे भरने लगेगी लेकिन निरंतर सुधार की उम्मीद तो जगी ही है। निस्संदेह कृषि, वानिकी व मछली उत्पादन में वृद्धि उत्साहवर्धक है। उत्पादन क्षेत्र में भी वृद्धि सुखद है। उद्योगों में रवानगी का मतलब यह भी है कि कुछ उन रोजगारों की बहाली हुई है जो लॉकडाउन के दौरान खत्म हो गये थे। उद्योगों से जुड़े लाखों लोगों की जीविका की बहाली निस्संदेह क्रय शक्ति बढ़ाने में सहायक होगी, जो मंदी की स्थितियों से मुकाबले में भी सहायक होंगी।?इसी तरह अन्य क्षेत्रों में रवानगी भी आशाजनक ही कही जायेगी। कोशिश होनी चाहिए कि मांग की यह तेजी लगातार बनी रहे। कहा जा रहा है कि उद्योग जगत में यह तेजी त्योहारी मौसम में मांग को पूरा करने के चलते रही लेकिन इसे स्थायी बनाने की जरूरत है।

निस्संदेह ऐसे वक्त में उद्योग जगत को सरकारी सहायता उत्प्रेरक का काम करती है। इस मायने में सरकार को लचीला रवैया अपनाना चाहिए। यह जानते हुए कि सरकारी राहत पैकेजों का धरातल पर अपेक्षा के अनुरूप लाभ नजर नहीं आया है।?वह भी ऐसे वक्त में जब कोरोना की दूसरी लहर ने आर्थिक गतिविधियों को नये सिरे से प्रभावित किया है, जिससे देश में उत्पादन और निर्यात पर भी प्रतिकूल असर देखा जा रहा है। कोशिश हो कि अब लॉकडाउन लगाने की जरूरत न पड़े और उद्योग-धंधे पूर्ण क्षमता से काम करते रहें, जिससे रोजगारों का संकट भी पैदा न हो, ऐसे वक्त में जब हम बेरोजगारी की उच्च दर से जूझ रहे हैं। बहरहाल यह रुझान इस बात के संकेत जरूर हैं कि आर्थिकी फिर पटरी पर आने की ओर उन्मुख है। इसमें दो राय नहीं कि मार्च के अंतिम सप्ताह से जून तक लगाये गये सख्त लॉकडाउन का आर्थिकी पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा था। हवाई, सड़क व रेल यातायात बंद होने से समस्या की जटिलता में और विस्तार हुआ था। अब जब धीरे-धीरे स्थितियां सामान्य हो रही हैं तो आर्थिकी के गति पकड़ने की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। अब सरकार को उन क्षेत्रों पर?ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिनमें सुधार की तेज गुंजाइश है। भारतीय आर्थिकी में चालीस प्रतिशत का योगदान देने वाले सेवा क्षेत्र को भी संबल देने की जरूरत है। साथ ही त्योहारी सीजन में जिस तरह मांग में वृद्धि हुई, उसे निरंतरता प्रदान करने की जरूरत है। कोशिश हो कि लोगों की क्रय शक्ति में इजाफा किया जाये, जिससे मांग को बढ़ावा मिलेगा और मंदी की आशंकाओं को टाला जा सकेगा। इस दिशा में आत्मनिर्भर भारत की मुहिम का भी सकारात्मक प्रतिसाद मिलने की उम्मीद है।

विदेश मीडिया

महामारी, परवरिश और पिता

स्कूली बच्चों के अभिभावकों के लिए यह दौर बहुत सरल नहीं है, क्योंकि बच्चों की ज्यादातर, बल्कि पूरी पढ़ाई इन दिनों घर से ही हो रही है। ऐसे में, इस सवाल को तो छोड़ ही दीजिए कि उन्हें सही शिक्षा मिल रही है या नहीं, प्रश्न यह है कि माता-पिता में से आखिर कौन यह सुनिश्चित कर रहा है कि इंटरनेट कनेक्शन दुरुस्त है या नहीं? काफी सारे परिवारों में माता-पिता, दोनों कामकाजी हैं और दोनों को घर से ही दफ्तर के काम करने पड़ रहे हैं, ऐसे में महामारी के दौरान घर से पढ़ाई ने बच्चों की परवरिश में लैंगिक भूमिका की बहस नए सिरे से खड़ी कर दी है। अब बच्चे की परवरिश कैसे की जाए, इसे लेकर माता-पिता, खासकर पिता अपनी भूमिका पर नई तरह से सोच सकते हैं। वैसे तो महामारी के पहले से ही काफी सारे पिता ने बच्चों की परवरिश में अपनी बड़ी भूमिका अपना ली थी। 'अमेरिकन टाइम यूज सर्वे' के मुताबिक, साल 2018 में पूर्णकालिक कामकाजी विवाहित माताओं ने अपने बच्चों की देखभाल को जहां रोजाना 1.2 घंटे का वक्त दिया, तो वहीं पिता ने औसतन 49 मिनट। इसी तरह, घर के दूसरे कामकाज में महिला ने जहां प्रतिदिन अपने 2.1 घंटे खर्च किए, तो वहीं पुरुष की भागीदारी 1.4 घंटे की रही।

इस दौर का जो सबसे सुखद पहलू है, वह यह कि घर में रह रहे पिता अपने बच्चों के साथ बहुत सारा वक्त बिता रहे हैं। महामारी की शुरुआत के बाद हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी ने एक अध्ययन किया था। उसके मुताबिक, 68 प्रतिशत पिता अब अपने बच्चों से बहुत ज्यादा करीबी महसूस करने लगे हैं; तो वहीं 57 फीसदी पिता का कहना है कि इस दौरान उन्होंने अपने बच्चों का ज्यादा हौसला बढ़ाया। उनके लिए अब यह पेशेवर शर्मिंदगी की बात नहीं रही कि 'जूम' बैठक के दौरान उनका कोई बच्चा कमरे में आकर उनसे पानी मांग ले, बल्कि उनके लिए यह अपनी संतान को गोद में उठाने और उसे सबसे मिलाने का गौरवशाली मौका होता है। बहरहाल, यह धारणा कुछ नरम भले पड़ी हो कि परिवार का पेट भरने के लिए पति ही कमाकर लाएंगे, लेकिन यह सोच पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है।

छोटा चुनाव, बड़ा संदेश

उपेन्द्र राय

नगर निकाय चुनावों को परंपरागत रूप से बुनियादी मुद्दों पर स्थानीय जनता का फैसला माना जाता है।

आम तौर पर इसका राज्य या देश तो दूर, संबंधित जिले की राजनीति से भी कोई खास सरोकार जोड़कर नहीं देखा जाता। इस लिहाज से ग्रेटर हैदराबाद नगर निकाय के चुनाव अनूठे कहे जा सकते हैं, क्योंकि इसने एक तरफ पारंपरिक सोच को तोड़ा है, तो दूसरी तरफ सियासी सरोकारों में नई परिभाषा को जोड़ा है।

असदुद्दीन ओवैसी के गढ़ में बीजेपी ने 48 वार्ड जीतकर उनकी पार्टी एआईएमआईएम को तीसरे नंबर पर धकेल दिया है। के. चंद्रशेखर राव की पार्टी टीआरएस 55 वार्ड में जीत के साथ पहले नंबर पर काबिज रही, जबकि ओवैसी को 44 वार्ड की जनता का साथ मिला। चार साल पहले 2016 के चुनाव में टीआरएस ने 99 और एआईएमआईएम ने 44 वार्ड जीते थे। तब बीजेपी बड़ी मुश्किल से चार वार्ड में ही जीत पाई थी। इस बदलाव में तीन-चार ऐसी बड़ी बातें हुई हैं, जिन्हें लेकर यह अनुमान है कि इसके बाद हैदराबाद ही नहीं, बल्कि तेलंगाना समेत दूसरे राज्यों और देश की राजनीति भी बदल सकती है। पहला तो यह कि चार से 48 वार्ड का सफर तय कर क्या बीजेपी ने दक्षिण में अपने लिए एक नई मंजिल का रास्ता खोल लिया है। बीजेपी के लिए भारत की सियासत बरसों से दो ध्रुवों में बंटी दिखी है। उत्तर भारत के हिंदी बेल्ट में जहां उसका खासा प्रभाव दिखता है, वहीं कर्नाटक को छोड़कर शेष दक्षिण राज्य सदैव से उसके साथ 'परदेसियों' जैसा बर्ताव करते रहे हैं। अपने गठन के चौथे दशक में भी बीजेपी का केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बेहद मामूली प्रभाव है और यहां जो जीत मिलती रही है, वो स्थानीय दलों के साथ गठबंधन के बूते मिलती रही है। लेकिन इस बार बीजेपी ने अपने बूते कुछ करने की ठानी, चुनाव को प्रतिष्ठा की लड़ाई बनाया और एक निकाय चुनाव में गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई बड़े नेताओं की फौज उतार दी। नतीजा सामने है- तेलंगाना में सत्ता भले ही अभी बीजेपी से दूर रही, लेकिन यह जीत मुख्य विपक्षी दल का ओहदा हासिल करने की उम्मीद जरूर बन सकती है। तेलंगाना में चंद्रशेखर राव और ओवैसी का गठजोड़ कोई राज नहीं है। नया राज्य बनने के बाद चंद्रबाबू की प्रासंगिकता हाशिये पर जा चुकी है, बची कांग्रेस तो बाकी देश की तरह उसका तेलंगाना में भी बुरा हाल है। 2014 में जब तेलंगाना बना, तो कांग्रेस को उम्मीद थी कि नया राज्य बनाने का उसे फायदा मिलेगा, लेकिन जीत का इनाम टीआरएस ले उड़ी। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस भी बीजेपी की ही तरह 21 विधानसभा क्षेत्र में आगे रही, लेकिन इसे 2018 के विधानसभा चुनाव से जोड़ें, तो बीजेपी ने 20 नई सीटों पर बढ़त बनाई, जबकि कांग्रेस केवल दो नई सीटें पर आगे निकल पाई।

नगर निकाय चुनाव में भी प्रचार पूरी तरह से बीजेपी और ओवैसी पर ही केन्द्रित दिखा। इस लिहाज से टीआरएस का हाल भी कांग्रेस जैसा रहा। टीआरएस भले सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी, लेकिन 99 से गिरकर 55 पर अटकना उसके लिए बड़ा झटका है। नगर निकाय की सत्ता के लिए चंद्रशेखर राव को अब प्रत्यक्ष रूप से ओवैसी के भरोसे रहना होगा।

चार साल पहले एआईएमआईएम की जीत का आंकड़ा 44 था, जो इस बार भी बरकरार रहा। बीजेपी की आंधी भी ओवैसी को अपनी जमीन से नहीं हिला सकी है और यही इस चुनाव की दूसरी बड़ी बात है। बेशक ओवैसी की जीत को मुस्लिम बहुल इलाकों तक सीमित बताकर तवज्जो के तराजू में उनकी हैसियत को कितना भी कमतर किया जाए, लेकिन अगर यह सच भी है, तो फिर यह मानने में भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि ओवैसी इस देश में मुसलमानों की नई उम्मीद बन चुके हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव में दो सीट जीतकर ओवैसी महाराष्ट्र में पहले ही घुसपैठ कर चुके हैं। बिहार में तो महागठबंधन के खेमे में जा रही सत्ता दोबारा एनडीए के पास लौटी तो उसकी वजह भी ओवैसी ही रहे। एआईएमआईएम ने पांच सीटें तो जीती हीं, सीमांचल की कम-से-कम 15 सीटों पर महागठबंधन की हार तय करने का काम किया। इनमें से कुछ सीटें तो ऐसी थीं, जो पिछले डेढ़ दशक से आरजेडी और कांग्रेस की 'वफादार' थीं।

इस जीत के बाद ही ओवैसी का बिहार से एक और कनेक्शन जोड़ कर देखा जा रहा है, जो दरअसल हैदराबाद के नतीजों की दूसरी बड़ी बात को आधार भी देता है। ओवैसी अब बिहार के बड़े मुस्लिम नेता रहे शहाबुद्दीन की जगह को भरते दिख रहे हैं, जो नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्रित्व काल के बाद से खाली पड़ी है। सीएए-एनआरसी पर ओवैसी की तकरीरें देश भर के मुसलमानों को उनके करीब लाती हैं। उन्हें भी जो अब तक 'सेक्यूलर' दलों की छतछ्राया में खुद को सुरक्षित महसूस करते रहे हैं। चुनाव-दर-चुनाव ओवैसी के बढ़ते कदम बता रहे हैं कि बड़ी तादाद में अब ऐसे मुसलमानों की राहें भी ओवैसी की ओर मुड़ चुकी हैं।

तो क्या ओवैसी अपने मजबूत मुस्लिम वोट बैंक के साथ देश की राजनीति में प्रमुख विपक्ष बनने की राह पर भी हैं, जो हैदराबाद चुनाव से निकली तीसरी बड़ी बात का इशारा है। बेशक अभी यह दावा जल्दबाजी हो, लेकिन इसकी परीक्षा के लिए हमें ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा। अगले साल पश्चिम बंगाल के चुनाव में इसका मजबूत संकेत मिल भी जाएगा। पश्चिम बंगाल में करीब 30 फीसद मुस्लिम वोटर हैं, जो अब तक ममता की सबसे बड़ी ताकत साबित होते आए हैं। बेशक इस चुनाव में राज्य भर के वोटर तृणमूल पर 'ममता' दिखाना नहीं छोड़ेंगे, लेकिन बिहार के नतीजों के बाद सीमांचल से जुड़े पश्चिम बंगाल के इलाकों में पाला बदलने का खतरा तो बढ़ ही गया है।

पश्चिम बंगाल में ओवैसी ने ममता बनर्जी को हाथ मिलाने का पैगाम भी दिया था, लेकिन ममता ने फिलहाल उसे ठुकरा दिया है। नगर निकाय चुनाव में ओवैसी की इसी तरह की पेशकश पर टीआरएस का रु ख भी ऐसा ही रहा था। ममता हो या टीआरएस, साथ आने की पेशकश रखकर ओवैसी दरअसल देश को यह संदेश दे रहे हैं कि वो बीजेपी को टक्कर देने वाली ताकत बनना चाहते हैं। आने वाले दिनों में ओवैसी उत्तर प्रदेश में यही दांव एसपी-बीएसपी पर आजमा सकते हैं, जो अब तक मुख्य विपक्षी दल का दर्जा रखने वाली कांग्रेस को और कमजोर कर सकता है।

हैदराबाद चुनाव की चौथी बड़ी बात यह निकलकर आती है कि ओवैसी की दौड़ जितनी लंबी होगी, बीजेपी का 'सियासी अमेध' भी उतना ही मजबूत होता जाएगा। दरअसल, अपनी सियासी जमीन बढ़ाने के लिए ओवैसी हर नए राज्य में उस दल से हाथ मिलाना चाहेंगे, जो बीजेपी के खिलाफ हो। अगर यह रणनीति कामयाब होती है, तो ध्रुवीकरण का सीधा फायदा बीजेपी को मिलेगा। और अगर गठबंधन का दांव काम नहीं करता है, तो भी बीजेपी को इस लिहाज से फायदा होगा कि क्षेत्रीय दलों का मुस्लिम वोट बैंक ओवैसी के साथ जा सकता है, जिससे किसी भी बाकी दल के लिए जीत आसान नहीं रह जाएगी। हैदराबाद में नगर निकाय चुनाव में जो टीआरएस के साथ हुआ, वो दरअसल आने वाले दिनों में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में बाकी क्षेत्रीय दलों के साथ भी हो सकता है।

सियासत का यह ट्रेंड बेशक कुछ दलों के लिए कारगर हो, लेकिन क्या यही बात देश के लिए कही जा सकती है? समाज के दो तबकों की विचारधारा की सियासी जंग कहीं लोकतंत्र के लिए खतरा तो नहीं है? क्या यह तथाकथित 'सेक्युलर' दलों के लिए ठहरकर अपनी नीतियों को दुरु स्त करने का वक्त नहीं है? इतने सवालों में एक सवाल और जोड़ लेने में कोई हर्ज नहीं कि क्या आप अब भी हैदराबाद निकाय के चुनाव को छोटा चुनाव कहकर खारिज कर सकते हैं?

“ सियासत का यह ट्रेंड बेशक कुछ गलों के लिए कारगर हो, लेकिन क्या यही बात देश के लिए कही जा सकती है? समाज के दो तबकों की विचारधारा की सियासी जंग कहीं लोकतंत्र के लिए खतरा तो नहीं है? क्या यह तथाकथित संक्युलर गलं के लिए ठहरकर अपनी नीतियों को दुरूस्त करने का वक्त नहीं है? इतने सवालों में एक सवाल और जोड़ लेने में कोई हर्ज नहीं कि क्या आप अब भी हैदराबाद निकाय के चुनाव को छोटा चुनाव कहकर खारिज कर सकते हैं? ”

वैश्विकी

नहीं बदले ट्रूडो के सुर

डॉ. दिलीप चौबे

भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक टकराव ने नया मोड़ ले लिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत में चल रहे किसान आंदोलन को लेकर अपने रवैये पर अड़ से गए हैं।

उनकी बयानबाजी से नाराज भारत ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किया था। ट्रूडो ने भारत के इस असाधारण विरोध को नकारते हुए कुछ ही घंटों बाद दोहराया कि उनका देश दुनिया भर में चल रहे शांति प्रदर्शनों को अपना समर्थन देता रहेगा। भारत के साथ संबंधों में बिगाड़ आने की आशंका को दरकिनार करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया में जहां भी मानवाधिकारों के हनन की बात होगी, कनाडा बोलेगा। साथ ही उन्होंने किसान आंदोलन को विचार-विमर्श से हल किए जाने का समर्थन किया। दूसरी ओर विदेश मंत्रालय का रवैया काफी सख्त रहा। भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि उसके आंतरिक मामलों में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भारत ने कनाडा को यह भी चेताया कि इस तरह के बयानबाजी से द्विपक्षीय संबंधों पर बुरा असर पड़ेगा।

हाल के वर्षो में यह पहला अवसर है, जब किसी पश्चिमी देश के राजनयिक को इस तरह की फटकार लगाई गई है। भारत के इस रवैये को विदेश नीति के जानकार अलग-अलग तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। एक मत यह भी है कि नई दिल्ली ने अपने कड़े रुख से कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका के नए जो बाइडेन प्रशासन को भी एक संदेश दिया है। जो बाइडेन और कमला हैरिस की जोड़ी को मानवाधिकार का पैरोकार माना जाता है। कूटनीति हलकों में यह चर्चा रही है कि जम्मू-कश्मीर, नागरिकता संशोधन कानून, अनुच्छेद 370 और किसान आंदोलन जैसे मुद्दों पर नया अमेरिकी प्रशासन मानवाधिकारों के पहलू को गंभीरता से उठाएगा। विदेश मंत्रालय ने कनाडा को जो फटकार लगाई है, उससे बाइडेन प्रशासन ही नहीं, दुनिया के अन्य देशों की सरकारों को भी मोदी सरकार की आलोचना करने से पहले कई बार सोचना पड़ेगा। वास्तव में कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने जब किसान आंदोलन के समर्थन में बयान दिया था, तो शुरुआत में भारत ने नरम रवैया अपनाया था। विदेश मंत्रालय ने विरोध की औपचारिकता निभाई थी, लेकिन कुछ ही दिनों बाद कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किए जाने से यह जाहिर हो गया कि भारत इस मामले को गंभीरता से ले रहा है। अनुमान लगाया जा सकता है कि कनाडा स्थित भारतीय राजनयिक मिशनों में तैनात विदेश खुफिया एजेंसी रॉ के अधिकारियों ने सरकार को कुछ निश्चित सूचनाएं भेजी होंगी। कनाडा पृथकतावादी खालिस्तान आंदोलन का मुख्य केंद्र रहा है। किसान आंदोलन के बहाने खालिस्तान समर्थक तत्व भारतीय राजनयिक मिशनों पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन कर सकते हैं। इसी आशंका के मद्देनजर भारत ने कनाडा से कहा है कि वह भारतीय राजनयिक मिशनों और उसके अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। किसान आंदोलन के बारे में कनाडा के नेताओं की बयानबाजी उनके देश के लिए बहुत भारी सिद्ध हो सकती है।

कनाडा और चीन के बीच पिछले कुछ दिनों से तनाव जारी है। चीन से बिगड़े संबंधों की क्षतिपूर्ति के लिए कनाडा भारत की ओर देख रहा है। यही कारण है कि पिछले दिनों कनाडा ने लंबे समय से जारी मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता को जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पिछले नवंबर में कनाडा और भारत के बीच कूटनीति के नए प्रारूप ट्रैक 1.5 के तहत बातचीत हुई थी। इस संवाद में कनाडा के विदेश मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल हुए थे। नई दिल्ली की तुलना में ओटावा एफटीए को आगे बढ़ाने में अधिक उत्सुक है। शैम्पेन एफटीए के लिए ग्रहों की अनुकूलता का हवाला दिया, जबकि जयशंकर ने इस मामले में निश्चित मत व्यक्त नहीं किया। पश्चिमी देशों का सत्ता प्रतिष्ठान, सिविल सोसाइटी और मीडिया का रुख भारत की राष्ट्रवादी मोदी सरकार के प्रति अनुकूल नहीं रहा है। किसी न किसी मुददे को लेकर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिशें लगातार होती रही हैं। विदेश मंत्री जयशंकर अपनी संयत शैली में सरकार के फैसलों का औचित्य सिद्ध करने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन उनके विश्लेषण और तकरे को पूर्वाग्रह से ग्रस्त लोग नकारते रहे हैं। अब मोदी सरकार ने ऐसे लोगों और संस्थाओं के प्रति 'भय बिन होए न प्रीति' की नीति अपनाई है।

परंपरा

उत्सव के बदलते रंग

आलोक पराड़कर

वाराणसी में पिछले दिनों एक बार फिर देव दीपावली उत्सव में शामिल होने का अवसर मिला।

प्रतिवर्ष होने वाले इन उत्सवों का लंबे समय से साक्षी रहा हूं। इस बार लगा था कि कोरोना संकट के कारण शायद यह उत्सव पिछले वर्षो की भांति न मनाया जा सके, लेकिन इस वर्ष इसे पिछले वर्षो से अधिक चर्चा मिली। प्रधानमंत्री की शिरकत के कारण मीडिया में भी यह उत्सव लगातार छाया रहा। घाटों के साथ ही गंगा पार भी रेती पर इस उत्सव की भव्य आभा दिखी। इसके पन्द्रह दिनों पहले अयोध्या में दीपोत्सव मनाया गया, जिसे पिछले कुछ वर्षो से वाराणसी के देव दीपावली उत्सव की भांति ही आयोजित किया जा रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की शिरकत होती है।

वाराणसी में होने के कारण मैं देव दीपावली उत्सव की पूरी यात्रा का सहचर रहा हूं। करीब तीन दशक पूर्व इसे कुछ घाटों से शुरू किया गया था। वाराणसी में कार्तिक माह का महत्व प्राचीन काल से ही रहा है। पूरे कार्तिक माह गंगा स्नान करने वालों की भीड़ बढ़ जाती है। शरद पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक आकाशदीप जलते हैं और गंगा में दीपदान किया जाता है। घाटों पर माह पर्यन्त धार्मिक आयोजन होते हैं। पंचगंगा घाट का तो कुछ ज्यादा ही महत्व होता है, जिसके बारे में मान्यता है कि वहां पांच नदियां मिलती हैं। हममें से बहुत सारे लोगों ने जयशंकर प्रसाद की आकाशदीप कहानी जरूर पढ़ी होगी। प्रसाद भी वाराणसी के ही थे। उन्होंने इस कहानी की नायिका के आकाशदीप जलाने की चर्चा की है। नायिका समुद्र मार्ग से किसी के आने की प्रत्याशा में यह दीप जलाती थी। माना जा सकता है कि जब आज की तरह समुद्रों में प्रकाश घर नहीं होते होंगे, तो समुद्र तट पर या द्वीपों पर ऐसे दीप जलाए जाते होंगे जिससे नाविकों को आसानी हो।

वाराणसी में ये दीप आज भी जलते हैं। इन दीपों को लंबे-लंबे बांसों पर बेंत की टोकरियों में जलाया जाता है। बांस घाटों के किनारे लगाए जाते हैं और उनके ऊपरी हिस्से पर घिरनी लगी होती है। बांस की टोकरियों में दीप जलाकर उन्हें रस्सी और घिरनी के सहारे ऊपरी हिस्से पर पहुंचाया जाता है। इन दीपों को जलाने के पीछे तरह-तरह की आस्थाएं होती हैं। इन्हें जलाने वाले मानते हैं कि कार्तिक में देवता और हमारे पूर्वज गंगा नहाने आते हैं और ये दीप उन्हें उसी प्रकार रास्ता दिखाते हैं, जैसे कभी समुद्र में रास्ता भटके नाविकों को दिखाते थे। करीब तीन दशक पूर्व कुछ लोगों का यह विचार बना कि क्यों न कार्तिक पूर्णिमा पर घाटों को दीपों से सजाया जाए। नारायण गुरु जैसे स्थानीय कार्यकर्ताओं ने इसमें पहल की। घरों से तेल और दीये जुटाए गए। इसे देवताओं की दीपावली अर्थात देव दीपावली का नाम दिया गया। घाटों पर देव दीपावली समितियां बनाई गई। सिंधिया घाट से शुरू हुआ यह उत्सव धीरे-धीरे वाराणसी के समस्त घाटों पर फैल गया। बाद के वर्षो में तब इसमें थोड़ा परिवर्तन आया, जब इसमें हरिद्वार की तर्ज पर गंगा आरती भी जुड़ गई। आरती के आयोजन भी राजेन्द्र प्रसाद और दशामेध घाटों से शुरू होकर कई घाटों तक फैलते चले गए। धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता ऐसी होती गई कि देश-विदेश से पर्यटक यहां जुटने लगे। होटलों में कमरे मिलना मुश्किल हो गया, नाविकों की दरें आसमान छूने लगीं, लेकिन यह उत्सव जनता का ही बना रहा। हां, कुछ वर्षो पूर्व इससे गंगा महोत्सव जुट गया। सरकारी स्तर पर सोचा जाने लगा कि देव दीपावली पर पर्यटक जुटते हैं, तो उन्हें गंगा महोत्सव से भी जोड़ा जाए। देव दीपावली के पूर्व इसे आयोजित किया जाने लगा। इससे देव दीपावली का उत्सव तो बहुत प्रभावित नहीं हुआ, लेकिन इसमें सरकारी दखल जुड़ने लगी।

वाराणसी अपने ऐसे कई उत्सवों के लिए प्रसिद्ध रहा है। चाहे नाटी इमली का भरत मिलाप हो, रामनगर की रामलीला हो, होली के बाद होने वाला बुढ़वा मंगल हो या फिर गुलाब बाड़ी और दूसरे आयोजन। कहने की आवश्यकता नहीं कि ऐसे उत्सव जनता के उत्सव होते हैं, उन्हीं की सहभागिता और सहयोग से आयोजित होते हैं, देश-विदेश में लोकप्रिय हो जाते हैं। इन उत्सवों के रंग सरकारी आयोजन के महोत्सवों से अलग होते हैं। उनमें संस्कृति और परंपरा की गंध होती है। परंपरा में चल रहे उत्सव जब आम लोगों के होते हैं, उनके द्वारा आयोजित होते हैं, तो उनका एक पारंपरिक-सांस्कृतिक रंग होता है। जब ये जनता के हाथ से निकलने लगते हैं, तो उनका रंग भी बदलने लगता है। वाराणसी के देव दीपावली के साथ भी इस बार ऐसा ही हुआ। इस उत्सव पर सरकारी रंग अधिक दिखा और इसमें जनता की उत्सवधर्मिता अधिक उभार ना ले सकी। दीपों की जगह विद्युत झालरों ने भी इस उत्सव को पारंपरिक रंगों से अलग कर दिया है। पिछली बार विद्युत झालरों से इसके पारंपरिक स्वरूप को बचाने के लिए कुछ देर के लिए घाटों पर प्रकाश व्यवस्था बंद कर दी गई थी। परंपरा हमेशा नई-नई चीजों को जोड़ते चलती है, इसे रूढ़ि से अलग करके देखने की जरूरत रहती है, लेकिन ऐसे मेलों-उत्सवों की खूबसूरती कहीं-न-कहीं उनके मूल स्वरूप में भी है। कहीं ऐसा न हो कि देव दीपावली भी अपने मूल स्वरूप से बहुत दूर निकल जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अक्टूबर में भारतीय कंपनियों का कर्ज हुआ कम, आई 41% की गिरावट

नई दिल्ली: भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजारों से कर्ज अक्टूबर में इससे पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 41 प्रतिशत घटकर 2.03 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। घरेलू कंपनियों ने अक्टूबर, 2019 में विदेशी बाजारों से 3.41 अरब डॉलर का कर्ज जुटाया था। समीक्षाधीन महीने में इस साल और 2019 में रुपया मूल्य वाले बांड (आरडीबी) या मसाला बांड से कोई राशि नहीं जुटाई गई। अक्टूबर, 2020 में बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) मार्ग से जुटाई गई कुल राशि में से 1.73 अरब डॉलर स्वत~ मंजूर मार्ग से और शेष 30 करोड़ डॉलर मंजूरी मार्ग से जुटाए गए। स्वत~ मंजूर मार्ग से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पुराने ईसीबी को चुकाने के लिए एक अरब डॉलर जुटाए। वहीं बजाज फाइनेंस तथा लार्सन एंड टुब्रो ने 10-10 करोड़ डॉलर जुटाए। एटीसी टायर्स एपी प्राइवेट लि. ने नई परियोजना के लिए 5.2 करोड़ डॉलर और लक्सशेयर इंडिया ने 5.1 करोड़ डॉलर जुटाए। मंजूरी मार्ग से धन जुटाने वाली पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन एकमात्र कंपनी रही। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने दो किस्तों में 30 करोड़ डॉलर जुटाए।

भारत में नोकिया 3.4 दिसंबर में किया जाएगा लॉन्च : रिपोर्ट

नई दिल्ली। एचएमडी ग्लोबल की योजना दिसंबर के मध्य तक भारत में एक नए बजट स्मार्टफोन नोकिया 3.4 को लाने की बताई जा रही है। जीएसएम एरिना के मुताबिक, नोकिया 3.4 के बेस वेरिएंट को 3जीबी रैम के साथ लॉन्च किया जाएगा, जिसकी कीमत 12,000 रुपये बताई जा रही है। इस साल सितंबर के महीने में नोकिया 2.4 के साथ नोकिया 3.4 को पेश कर दिया गया था। यह स्मार्टफोन यूरोप में 159 यूरो यानि कि 14225.15 रुपये की शुरुआती कीमत के साथ उपलब्ध है। नोकिया 3.4 में 6.3 इंच की एचडी प्लस डिस्प्ले है। यह क्वॉलकम के स्नैपड्रैगन 460 प्रोसेसर द्वारा संचालित है। यह दो तरह के रैम और स्टोरेज कॉम्बिनेशन के साथ उपलब्ध है - 3जीबी प्लस 64जीबी और 4जीबी प्लस 64 जीबी। स्मार्टफोन में माइक्रो एसडी कार्ड स्लॉट भी है, जो स्टोरेज को 512जीबी तक बढ़ाने में सक्षम है। स्मार्टफोन के पीछे एलईडी फ्लैश के साथ एक ट्रिपल कैमरा सेटअप भी है। इसमें 13एमपी प्राइमरी कैमरा, 5एमपी अल्ट्रावाइड लेंस और 2एमपी का डेप्थ सेंसर है। सेल्फी के लिए नोकिया 3.4 में 8एमपी का एक फ्रंट कैमरा दिया है, जो होल-पंच कटआउट के अंदर मौजूद है। अगर सॉफ्टवेयर की बात करें, तो यह एंड्रायड 10 पर रन करता है, जिसे आने वाले समय में एंड्रॉयड 11 में अपडेट किया जा सकेगा।

सैमसंग अगले साल ला सकता है 3 प्रकार के फोल्डेबल फोन

सोल। सैमसंग की तरफ से अगले साल फोल्डेबल स्मार्टफोन के तीन तरह के मॉडल को पेश किए जाने की बात की जा रही है। ओएलईडी रिसर्च फर्म यूबीआई रिसर्च के मुताबिक, इन्हें संभवत गैलेक्सी जेड फ्लिप 2, गैलेक्सी जेड फोल्ड 3 और न्यू गैलेक्सी जेड फोल्ड लाइट का नाम दिया जाएगा। इन सभी मॉडलों में कवर विंडोज के रूप में अल्ट्रा-थिन ग्लास का इस्तेमाल किया जाएगा। गैलेक्सी जेड फ्लिप 2 में 6.7 इंच की इंटर्नल स्क्रीन दी जाएगी और 3 इंच की एक्सटर्नल स्क्रीन रहेगी। इंटर्नल स्क्रीन का आकार इस साल के शुरू में लॉन्च किए गए पहले गैलेक्सी जेड फ्लिप के समान है, लेकिन इसके मुकाबले एक्टर्नल स्क्रीन साइज को 1.1 इंच बढ़ा दिया गया है। सैमसंग गैलक्सी जेड फोल्ड लाइट में डिस्प्ले इसी तरह का होगा, जिसे सस्ते इंटर्नल्स के साथ पेश किया जाएगा, ताकि कीमत कम हो सके। जेड फ्लिप के इस फोन को 6.7 इंच के फोल्डेबल पैनल, लेकिन तीन इंच बड़े एक्टर्नल के साथ लॉन्च किया जाएगा, जबकि ओरिजिनल जेड फ्लिप के आउटर डिस्प्ले की साइज महज 1.1 इंच ही थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जेड फोल्ड3 को एस पेन सपोर्ट के साथ कंपनी लॉन्च करेगी।

भारत बना निवेशकों की पहली पसंद, एफडीआई पहुंचा 500 करोड़ डॉलर के पार

बिजनेस डेस्क: देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इक्विटी प्रवाह अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2020 के दौरान 500 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। इससे पता चलता है कि दुनिया में भारत की गिनती एक सुरक्षित और महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य के रूप में होने लगी है।

भारत को मॉरीशस से मिला 144.71 अरब डॉलर

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में देश में 500.12 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। इसमें से 29 प्रतिशत एफडीआई मॉरीशस रास्ते से आया है। उसके बाद सिंगापुर से 21 प्रतिशत, अमेरिका, जापान और नीदरलैंड प्रत्येक से सात-सात प्रतिशत तथा ब्रिटेन से छह प्रतिशत एफडीआई आया है। इस अवधि में भारत को मॉरीशस से 144.71 अरब डॉलर तथा सिंगापुर से 106 अरब डॉलर का एफडीआई मिला है। इसके अलावा जर्मनी, साइप्रस, फ्रांस और केमैन आइलैंड से भी देश को अच्छा विदेशी निवेश मिला है। वित्त वर्ष 2015-16 से देश में एफडीआई प्रवाह में उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। 2015-16 में देश में 40 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया था। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। 2016-17 में 43.5 अरब डॉलर, 2017-18 में 44.85 अरब डॉलर, 2018-19 में 44.37 अरब डॉलर और 2019-20 में 50 अरब डॉलर का एफडीआई आया था।

भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियाद

देश के जिन प्रमुख क्षेत्रों को सबसे अधिक एफडीआई मिला है उनमें सेवा क्षेत्र, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दूरसंचार, व्यापार, निर्माण विकास, वाहन, रसायन और फार्मास्युटिकल्स शामिल हैं। नांगिया एंडरसन इंडिया के भागीदार-नियामकीय निश्चल अरोड़ा ने कहा कि देश की एफडीआई यात्रा 1999 में फेमा के लागू होने के साथ शुरू हुई थी। इसने फेरा का स्थान लिया था।

नोएडा में 130 करोड़ रुपए के निवेश से डेटा केंद्र बनाएगी DLF

नई दिल्ली: रियल्टी क्षेत्र की कंपनी डीएलएफ अगले 18 माह में नोएडा में डेटा केंद्र के विकास पर 130 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी का इरादा डेटा भंडारण क्षमता की बढ़ती मांग का लाभ उठाना है। सूत्रों ने बताया कि इस डेटा केंद्र परियोजना में समुचित ढांचे के साथ 3.7 लाख वर्ग फुट का स्थल होगा। इसमें उच्च बिजली क्षमता भी शामिल है। यह डेटा केंद्र 25 एकड़ की वाणिज्यिक परियोजना का हिस्सा है। इस परियोजना में 35 से 40 लाख वर्ग फुट क्षेत्र का विकास किया जा सकेगा। सूत्रों ने बताया कि डेटा केंद्र की परियोजना सिंगापुर की एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर को 'बिल्ड-टू-सुइट' आधार पर पट्टे पर दी गई है। इस परियोजना पर कुल 130 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस केंद्र का निर्माण 18 माह में पूरा होगा। डीएलएफ के प्रबंध निदेशक (किराया कारोबार) श्रीराम खट्टर ने ग्राहक की गोपनीयता का हवाला देते हुए व्यक्तिगत लीज या पट्टे के सौदे पर टिप्पणी से इनकार किया।

कोविड-19 के कारण नौकरी से निकाला जाना, वेतन कटौती व्यापक स्तर पर नहीं- रिपोर्ट

नई दिल्ली~ कोविड-19 महामारी के बाद कंपनियों की आय पर पड़े प्रभाव के बावजूद नौकरियों और वेतन में कटौती उतने व्यापक स्तर पर नहीं है जितना कि आशंका जतायी जा रही थी। एक अध्ययन में यह कहा गया है। सीआईआई-टैलेंटोनिक एचआर सोल्यूशंस के संयुक्त अध्ययन-नई व्यवस्था में संगठन को फिर से तैयार करना~ मानव संसाधन की भूमिका- शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार कंपनियों के लिये कोविड-19 संकट से निपटने के लिये उठाये गये कदमों में कुल 13 प्राथमिकताओं में लोगों को नौकरी से हटाना सातवें स्थान पर था। वहीं वेतन में कटौती या उसे आगे टालने की प्राथमिकता 13वें स्थान पर थी। संकट से निपटने के लिए विभिन्न उपायों की तलाश ने कंपनियों को अधिक सशक्त बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 'आय और नकदी पर पड़े गंभीर प्रभाव के बावजूद.... नौकरी से हटाना और वेतन में कटौती उतना व्यापक नहीं रहा, जैसा कि यह माना जा रहा था।% रिपोर्ट के अनुसार घर से काम ने कई समस्याओं का समाधान किया है लेकिन इसके बावजूद रहन-सहन, संस्कृति के स्तर अलग-थलग होने को लेकर चिंता बढ़ी है। इसमें कहा गया है कि संगठन को फिर से तैयार करना और उसे स्थायी तौर पर बदलाव के लिये नये कौशल की जरूरत है। सर्वे में शामिल कंपनियों से बातचीत में ऐसा जान पड़ा कि कई संगठन इस मामले में आगे बढ़ रहे हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की करीब 250 कंपनियां शामिल हुई और यह सर्वे अगस्त के अंत से नवंबर के मध्य तक किया गया।

आर्थिक आंकड़ों, विदेशी संकेतों से इस सप्ताह तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई।

घरेलू शेयर बाजार की चाल इस सप्ताह प्रमुख आर्थिक आंकड़ों और विदेशी संकेतों से तय होगी। साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव व विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के प्रति रुझान पर भी बाजार की नजर होगी। इस सप्ताह के आखिर में शुक्रवार को देश के औद्योगिक उत्पादन के अक्टूबर महीने के आंकड़े जारी होंगे और इसी दिन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई के नवंबर महीने के आंकड़े जारी होंगे। निवेशकों को इन आंकड़ों का इंतजार रहेगा। इस बीच, कोरोना वायरस संक्रमण के प्रकोप की रोकथाम के लिए दुनियाभर में किए जा रहे उपायों के साथ-साथ कोरोना वैक्सीन की प्रगति की रिपोर्ट का भी असर देखने को मिलेगा। वैक्सीन की उम्मीदों से शेयर बाजार में लगातार तेजी का रुख देखा जा रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारत में निवेश के प्रति सकारात्मक रुझान रहने से देश के शेयर बाजार में बीते पांच सप्ताह से लगातार बढ़त का सिलसिला जारी है। इस महीने दिसंबर के सिर्फ चार कारोबारी सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का 17,000 करोड़ रुपये से ज्यादा पैसा आ चुका है। घरेलू शेयर बाजार पर विदेशों में जारी होने वाले प्रमुख आर्थिक आंकड़ों का भी असर देखा जाएगा। इस सप्ताह गुरुवार को अमेरिकाम में नवंबर महीने की महंगाई के आंकड़े जारी होंगे। इससे पहले जापान में इस साल की तीसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े मंगलवार को जारी होंगे। चीन में सोमवार को ही व्यापार संतुलन के आंकड़े जारी होंगे। इसके बाद बुधवार को नवंबर महीने की महंगाई के आंकड़े जारी होंगे। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में साप्ताहिक आधार पर दो फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताह के आखिरी सत्र में शुक्रवार को पिछले सप्ताह से 929.83 अंकों यानी 2.11 फीसदी की तेजी के साथ 45,079.55 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित प्रमुख संवेदी सूचकांक निफ्टी भी बीते सप्ताह से 289.60 अंकों यानी 2.23 फीसदी की तेजी के साथ 13,258.55 पर बंद हुआ।

पहली तिमाही में एलआईसी का कर मूल्य 40 प्रतिशत बढ़कर 5.7 लाख करोड़ रुपये

मुंबई:

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम लि.) के खाते में पड़े शेयरों का मूल्य सितंबर तिमाही में 77 अरब डॉलर (5.7 लाख करोड़ रुपये) को पार कर गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इसमें 40 प्रतिशत से अधिक की तेजी आयी। हालांकि यह मार्च 2018 को समाप्त तिमाही के 84 अरब डॉलर के रिकार्ड से कम है। लेकिन दूसरी तिमाही से बाजार में करीब 13 प्रतिशत की तेजी आयी है। इससे एलआईसी के पास मौजूद शेयरों का मूल्य उल्लेखनीय रूप से बढ़ सकता है। ब्रोकरेज कंपनी कोटक इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2000 को समाप्त तिमाही में एलआईसी के पास उपलब्ध शेयरों का मूल्य केवल 4 अरब डॉलर था। उस समय शेयर बाजार बीएसई का बाजार पूंजीकरण केवल 102 अरब डॉलर था। वर्ष 2010 में एलआईसी के पास उपलब्ध इक्विटी का मूल्य बढ़कर 59 अरब डॉलर हो गया जबकि बाजार पूंजीकरण 1,140 अरब डॉलर था। उसके बाद से एलआईसी के पोर्टफोलियो मूल्य में लगातार वृद्धि हो रही है और यह मार्च 2018 में रिकॉर्ड 84 अरब डॉलर पहुंच गया था। उस दौरान शेयर बाजार पूंजीकरण 1,670 अरब डॉलर था। रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2019 में बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,800 अरब डॉलर पहुंच गया और उस समय एलआईसी के शेयर पोर्टफोलियो का मूल्य 81 अरब डॉलर था। और जब एलआईसी के पास उपलब्ध शेयरों का मूल्य 77 अरब डॉलर है, बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,770 अरब डॉलर था। दूसरी तिमाही के अंत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की हिस्सेदारी बीएसई-200 सूचकांक में बढ़कर 415 अरब डॉलर हो गयी जो पहली तिमाही में 360 अरब डॉलर थी। इसमें एडीआर (अमेरिकन डिपोजिटरी रिसीट) और जीडीआर (ग्लोबल डिपोजिटरी रिसीट) शामिल हैं। बीएसई 200 सूचकांक खाता देश के बाजार पूंजीकरण का 84 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। आलोच्य तिमाही के दौरान एफपीआई ने बाजार में 46,900 करोड़ रुपये लगाया। इससे एफपीआई की बीएसई-200 सूचकांक में हिस्सेदारी 23.3 प्रतिशत पहुंच गयी। ब्रोकरेज कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की हिस्सेदारी दूसरी तिमाही में बीएसई-200 सूचकांक में घटकर 13.6 प्रतिशत पर आ गयी जबकि पहली तिमाही में यह 14 प्रतिशत थी। डीआईआई ने अप्रैल से 63,500 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे थे।

रेलवे कर्नाटक से 100 टन टमाटर पहुंचाएगा बिहार

बेंगलुरु/पटना।

कोविड के समय में माल ढुलाई से अधिकतम कमाई के प्रयास के तहत दक्षिण-पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) जल्द ही कर्नाटक के कोलार से बिहार के पटना के पास दानापुर तक 100 टन टमाटर पहुंचाएगा. एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी. एसडब्ल्यूआर के बेंगलुरु डिवीजन मैनेजर अशोक कुमार वर्मा ने आईएएनएस को बताया कि कोलार स्टेशन से 10 रैक में लगभग 100 टन टमाटर 1 टन क्षमता के 10 बंद वैगनों में भरकर भेजा जाएगा. चूंकि कोलार जिला टमाटर का एक प्रमुख उत्पादक है, जोनल डिवीजन किसानों और उनकी एपीएमसी (कृषि उत्पादकों की विपणन समिति) के साथ काम कर रहा है, ताकि वेगनों में लोडिंग के लिए स्टेशन पर सब्जी पहुंचाई जा सके. जोनल रेलवे ने अतिरिक्त राजस्व के रूप में प्रति रैक 5.76 लाख रुपये कमाने का अनुमान लगाया है. जोनल रेलवे राज्य भर में बेंगलुरु, मैसूरु, हुबली या बेलागवी से फलों और सब्जियों जैसे हानिकारक सामानों के परिवहन के लिए कोविड देखभाल केंद्रों में परिवर्तित किए गए कोचों को परिमार्जित करने की भी योजना बना रहा है. लगभग 320 द्वितीय श्रेणी के कोच कोविड के देखभाल केंद्रों में बदल दिए गए थे और दक्षिणी राज्यों में प्रमुख जंक्शनों पर प्लेटफॉर्म पर तैनात थे, ताकि रोगियों का परीक्षण किया जा सके.

डिस्कॉम पर बिजली उत्पादक कंपनियों का बकाया अक्टूबर में 29% बढ़कर 1.38 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली:

बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर बिजली उत्पादक कंपनियों (जेनको) का बकाया अक्टूबर, 2020 में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 1,38,187 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। अक्टूबर, 2019 तक डिस्कॉम पर बिजली वितरण कंपनियों का बकाया 1,06,734 करोड़ रुपए था। पेमेंट रैटिफिकेशन एंड एनालिसिस इन पावर प्रोक्यूरमेंट फॉर ब्रिंगिंग ट्रांसपैरेंसी इन इन्वॉयसिंग ऑफ जेनरेशन (प्राप्ति) पोर्टल से यह जानकारी मिली है। बिजली उत्पादकों तथा वितरकों के बीच बिजली खरीद लेनदेन में पारदर्शिता लाने के लिए प्राप्ति पोर्टल मई, 2018 में शुरू किया गया था। अक्टूबर, 2020 तक 45 दिन की मियाद या ग्रेस की अवधि के बाद भी डिस्कॉम पर बकाया राशि 1,25,743 करोड़ रुपए थी। यह एक साल पहले 93,559 करोड़ रुपए थी। पोर्टल के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल बकाया इससे पिछले महीने की तुलना में बढ़ा है। सितंबर, 2020 में डिस्कॉम पर कुल बकाया 1,36,566 करोड़ रुपए था। अक्टूबर, 2020 में डिस्कॉम पर 45 दिन की मियाद की अवधि के बाद बकाया बढ़ा है। सितंबर, 2020 में यह 1,24,675 करोड़ रुपए था। बिजली उत्पादक कंपनियां डिस्कॉम को बेची गई बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए 45 दिन का समय देती हैं। उसके बाद यह राशि पुराने बकाए में आ जाती है। ज्यादातर ऐसे मामलों में बिजली उत्पादक दंडात्मक ब्याज वसूलते हैं। बिजली उत्पादक कंपनियों को राहत के लिए केंद्र ने एक अगस्त, 2019 से भुगतान सुरक्षा प्रणाली लागू है। इस व्यवस्था के तहत डिस्कॉम को बिजली आपूर्ति पाने के लिए साख पत्र देना होता है। केंद्र सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों को भी कुछ राहत दी है। कोविड-19 महामारी की वजह से डिस्कॉम को भुगतान में देरी के लिए दंडात्मक शुल्क को माफ कर दिया था। सरकार ने मई में डिस्कॉम के लिए 90,000 करोड़ रुपए की नकदी डालने की योजना पेश की थी। इसके तहत बिजली वितरण कंपनियां पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन तथा आरईसी लिमिटेड से सस्ता कर्ज ले सकती हैं। इस पहल से बिजली उत्पादक कंपनियों को भी राहत मिलेगी। बाद में सरकार ने इस पैकेज का बढ़ाकर 1.2 लाख करोड़ रुपए कर दिया था। आंकड़ों से पता चलता है कि राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, हरियाणा और तमिलनाडु की बिजली वितरण कंपनियों का उत्पादक कंपनियों के बकाए में सबसे अधिक हिस्सा है।

म्यूचुअल फंड में बिकवाली जारी, निवेशकों ने अक्टूबर में इक्विटी योजनाओं से 30,760 करोड़ रुपए निकले

नई दिल्ली:

निवेशकों का म्यूचुअल फंड की योजनाओं से पैसे निकलनने का सिलसिला जारी है। निवेशकों ने नवंबर महीने में मुनाफावसूली करते हुए इक्विटी योजनाओं से 30,760 करोड़ रुपए की निकासी की। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में जबतक सुधार नहीं आता, निकासी की प्रवृत्ति बनी रहेगी। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों के अनुसार इसके साथ म्यूचुअल फंड से शुद्ध रूप से निकासी चालू वर्ष 2020 में जनवरी से नवंबर के दौरान 28,000 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले कुछ महीनों से म्यूचुअल फंड से निकासी के बावजूद एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों) का पूंजी प्रवाह जारी रहने से बाजार में तेजी बनी हुई है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने चालू वर्ष में जनवरी से नवंबर के दौरान 1.08 लाख करोड़ रुपए की पूंजी डाली। प्राइम इनवेस्टर डॉट इन की सह-संस्थापक विद्या बाला ने कहा, ''बाजार के नई ऊंचाई पर पहुंचने और निफ्टी पीई (निजी इक्विटी) मूल्यांकन 36 गुना बढ़ने के साथ मुनाफावसूली हो रही है।'' उन्होंने कहा कि सकल प्रवाह में तेजी नहीं आई है। इसका कारण कोविड-19 के कारण लोगों की आय पर असर पड़ा है और वह अबतक सामान्य नहीं हुआ है। रैंक म्यूचुअल फंड के प्रमुख ओमकेश्वर सिंह ने भी कहा कि नवंबर में काफी तेजी आई और बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर भी पहुंचा। इससे कई निवेशकों ने मुनाफवसूली की और यही बात ताजा आंकड़े से पता चलती है।'' आंकड़े के अनुसार म्यूचुअल फंड ने नवंबर में इक्विटी योजनाओं से 30,760 करोड़ रुपए की निकासी की। इससे जून से नंवबर तक पूंजी निकासी 68,400 करोड़ रुपए पहुंच गई। म्यूचुअल फंड से अक्टूबर में 14,492 करोड़ रुपए, सितंबर में 4,134 करोड़ रुपए, अगस्त में 9,213 करोड़ रुपए, जुलाई में 9,195 करोड़ रुपये और जून में 612 करोड़ रुपए निकाले गये थे।

कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन को बैंक यूनियनों का समर्थन

नई दिल्ली:

कई बैंक यूनियनों ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों का समर्थन किया है। यूनियनों ने सरकार ने इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाने का आग्रह किया है।

ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन (एआईबीईए) ने बयान में कहा कि सरकार को आगे आकर देश और किसानों के हित में उनकी मांगों का समाधान करना चाहिए। अधिकारियों की यूनियनों ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कनफेडरेशन (एआईबीओसी), ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) तथा इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस (आईएनबीओसी) ने सरकार से आग्रह किया है कि वह इन विधेयकों को राष्ट्रपति के विशेष आदेश के जरिये प्रवर समिति को भेजकर गतिरोध दूर करे। किसान संगठनों का कहना है कि तीनों नए कृषि कानून कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) कानून, 2020, आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून, 2020 और मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर कृषक (संरक्षण एवं सशक्तीकरण) कानून-2020 से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था समाप्त हो जाएगी और वे बड़ी कंपनियों की 'दया% पर निर्भर हो जाएंगे। इन कानूनों को सितंबर में लागू किया गया है। अधिकारियों की तीनों यूनियनों ने संयुक्त बयान में कहा, ''हमारे देश को शांति चाहिए और किसानों की दिक्कतों को दूर किया जाना चाहिए। कोविड-19 महामारी के दौरान सिर्फ कृषि ही ऐसा क्षेत्र था, जिसका प्रदर्शन सकारात्मक रहा। यह इस क्षेत्र की बुनियादी ताकत को दर्शाता है।

भारत के कोल इंपोर्ट में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 18.6% की गिरावट, नॉन-कुकिंग कोल इंपोर्ट भी घटी

नई दिल्ली:

देश का कोयले का आयात चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह (अप्रैल-अक्टूबर) में 18.6 प्रतिशत घटकर 11.68 करोड़ टन रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 14.36 करोड़ टन था। एमजंक्शन के शुरुआती आंकड़ों में यह जानकारी मिली है। एमजंक्शन टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम है। यह एक बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी है जो कोयला आयात के आंकड़ों के संग्रहण के अलावा कोयला और इस्पात क्षेत्र पर शोध रिपोर्ट भी प्रकाशित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि इस साल अक्टूबर में देश का कोयले का आयात बढ़कर 2.15 करोड़ टन रहा है, जो अक्टूबर, 2019 में 1.82 करोड़ टन था। अक्टूबर में कोयले के कुल आयात में नॉन-कोकिंग कोयले का हिस्सा 1.44 करोड़ टन रहा। यह पिछले साल समान महीने में 1.35 करोड़ टन रहा था। वहीं अक्टूबर, 2020 में कोकिंग कोयले का आयात 49.2 लाख टन रहा, जो एक साल पहले समान महीने में 27.9 लाख टन रहा था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर की अवधि के दौरान नॉन-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 7.76 करोड़ टन रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 9.87 करोड़ टन रहा था। इसी तरह कोकिंग कोयले आयात घटकर 2.38 करोड़ टन रह गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 2.86 करोड़ टन था। एमजंक्शन सर्विसेज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कहा, ''त्योहारी सीजन के दौरान मांग में सुधार तथा सर्दियों के लिए भंडारण की वजह से अक्टूबर में कोयले का आयात बढ़ा है। इसके अलावा लघु अवधि में आपूर्ति को लेकर दिक्कतों की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना है।

हालांकि, कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में बीते वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में आयात में उल्लेखनीय गिरावट आने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जर्मन लीग : बोरूशिया डॉर्टमंड ने फ्रैंकफर्ट के साथ बांटे अंक

बर्लिन।

जियोवानी रेयना के गोल के दम पर बोरूशिया डॉर्टमंड ने जर्मन लीग बुंदेसलीगा के 10वें राउंड में खेले गए मुकाबले में इंट्रर्क्ट फ्रैंकफर्ट को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फ्रैंकफर्ट ने डायचि कमाडा के नौवें मिनट में किए गए गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना ली और उसने इसे पहले हाफ तक कायम रखा। हाफ टाइम के बाद रेयना ने 56वें मिनट में गोल करके डॉर्टमंड को 1-1 से बराबरी दिला दी। इस ड्रॉ के बाद बोरूशिया तीसरे नंबर पर पहुंच गई है जबकि फ्रैंकफर्ट आठवें पायदान पर है।

सिडनी टी-20

धवन,पांडया का बल्ला चमका, भारत को 2-0 की अजेय बढ़त

सिडनी.

हार्दिक पांड्या बेशक गेंद से अपना योगदान नहीं दे पा रहे हों लेकिन बल्ले से वह टीम के लिए पूरी जान लगा रहे हैं। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर रविवार को उन्होंने 22 गेंदों पर नाबाद 42 रनों की पारी खेल भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ हारते हुए मुकाबले में छह विकेट से जीत दिलाई। आस्ट्रेलिया द्वारा रखे गए 195 रनों के लक्ष्य के सामने शिखर धवन (52) और कप्तान विराट कोहली (40) के आउट होने के बाद भारत हार की तरफ जाती दिख रही थी, लेकिन पांड्या और श्रेयर अय्यर (नाबाद 12) ने आखिरी तीन ओवरों में मैच का पासा पलट दिया। 18वें ओवर में अय्यर ने लेग स्पिनर एडम जाम्पा की गेंद पर एक चौका और एक छक्का लगाया। 19वें ओवर में पांड्या ने एंड्रयू टाई पर दो चौके मारे। आखिरी ओवर में भारत को 14 रन चाहिए थे। पांड्या ने पहली गेंद पर दो रन लिए और फिर दो छक्के लगा भारत को दो गेंद पहले ही लक्ष्य पार करा दिया। पांड्या ने कुल तीन चौके और दो छक्के मारे। अय्यर ने पांच गेंदों पर एक चौका और एक छक्का मारा। मजबूत लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत को आक्रामक शुरुआत मिली। धवन और लोकेश राहुल ने 5.2 ओवरों में 56 रन जोड़े। टाई ने राहुल को आउट कर आस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। राहुल ने 22 गेंदों पर 30 रन बनाए। दूसरे छोर से धवन ने अपना आक्रामक अंदाज जारी रखा, लेकिन अर्धशतक पूरा करने के बाद धवन लेग स्पिनर जाम्पा की गेंद पर आउट हुए। धवन जब आउट हुए तब टीम का स्कोर 95 रन था। धवन ने अपनी अर्धशतकीय पारी में 36 गेंदों का सामना किया चार चौके औ दो छक्के लगाए टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी अब कप्तान कोहली पर थी। उनके साथ संजू सैमसन को अपना नाम कमाने का अच्छा मौका नहीं मिला था। वह कोहली के साथ भारत को जीत दिला सकते थे, लेकिन स्वेप्सन की गेंद पर छक्का मारने के गए सैमसन सीमा रेखा पर स्टीव स्मिथ के हाथों लपके गए। सैमसन सिर्फ 15 रन ही बना पाए। कोहली टीम को जीत के करीब ले जा रहे थे तभी डेनियल सैम्स की गेंद उनके बल्ले का किनारा ले वेड के दस्तानों में चली गई। कोहली ने 24 गेंदों पर दो चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। कोहली का विकेट 149 के कुल स्कोर पर गिरा और यहां से अय्यर और पांड्या ने साझेदारी करते हुए टीम को जीत दिलाई। इसी जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में पांच विकेट खोकर 194 रन बनाए थे। नियमित कप्तान एरॉन फिंच इस मैच में नहीं खेले थे। उनके स्थान पर वेड टीम की कप्तानी कर रहे थे। वेड ने सलामी बल्लेबाजी की और 58 रनों की कप्तानी पारी खेलते हुए टीम के मजबूत स्कोर की बुनियाद रखी। उनके दूसरे सलामी जोड़ीदार डी आर्की शॉर्ट (9) कुछ खास योगदान नहीं दे सके। 47 के कुल स्कोर पर टी. नटराजन ने उन्हें आउट किया। वेड 75 के कुल स्कोर पर रन आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 10 चौके और एक छक्का मारा। उनके बाद आने वाले हर बल्लेबाज, खासकर स्मिथ (46) ने तेजी से रन बनाए। ग्लैन मैक्सवेल ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 13 गेंदों पर 22 रन बनाए। वह 120 के कुल स्कोर पर शार्दूल ठाकुर की गेंद पर आउट हुए।

पांड्या अब भारत के लिए अच्छे फिनिशर बन रहे हैं : कोहली

सिडनी। भारतीय कप्तान विराट विराट कोहली का मानना है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांडया अब भारत के लिए बेहतरीन मैच फिनिशर बनते जा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि ऑलराउंडर द्वारा फिनिशर की भूमिका निभाने से भारत को किसी भी परिस्थिति में मैच जीतने में मदद मिलती है। पांड्या बेशक गेंद से अपना योगदान नहीं दे पा रहे हों लेकिन बल्ले से वह टीम के लिए पूरी जान लगा रहे हैं। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर रविवार को उन्होंने 22 गेंदों पर नाबाद 42 रनों की पारी खेल भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ हारते हुए मुकाबले में छह विकेट से जीत दिलाई। इस जीत के बाद भारत ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। कोहली ने मैच के बाद कहा, पांड्या को 2016 में टीम में शामिल करने का कारण उनकी क्षमता थी। वह स्वभाविक प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उन्हें अब समझ आ रहा है कि फिनिशर की भूमिका में खुद को ढालने का यह सही समय है। उन्होंने कहा, आईपीएल और भारत के लिए कई सारे टी20 मैच खेलने के बाद अब वह काफी अनुभवी खिलाड़ी हो गए हैं। अगले चार-पांच वर्षों में वह मध्यक्रम में अच्छे बल्लेबाज बन सकते हैं जोकि कहीं भी मैच जिता सकता है। आपको फिनिशर होने की जरूरत है और वह हमारे लिए यही बन रहे हैं। पांडया ने हाल में वनडे सीरीज में गेंदबाजी नहीं की थी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वह एक बल्लेबाज के तौर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। वनडे सीरीज में उन्होंने दो बार 90 के आसपास का स्कोर किया था। यह पूछे जाने पर कि आप खुद को एक बल्लेबाज मानते हैं या फिनिश, तो पांडया ने कहा कि वह किसी भूमिका को ध्यान में रखकर नहीं खेलते। उन्होंने कहा कि वह परिस्थितियों के अनुसार खेलते हैं। पांडया ने मैच के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए यह मायने नहीं रखता है। मैं हमेशा परिस्थिति के अनुसार खेलता हूं। मैं टीम की जरूरतों के हिसाब से खेलता हूं।

एंटी डोपिंग और स्पोटर्स साइंस पर राष्ट्रीय वेबिनार सोमवार को

नई दिल्ली।

नेशनल डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मणिपुर के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन होगा। कार्यक्रम की थीम खेलों में एंटी डोपिंग न्यूट्रिशनल और थेरोपेटिक जरुरत विषय पर है। केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू इस वेबिनार का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम की थीम खेलों में एंटी डोपिंग न्यूट्रिशनल और थेरोपेटिक जरुरत विषय पर है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पोलैंड के पूर्व खेल मंत्री और वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी के अध्यक्ष विटोल्ड वांका, खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव रवी मित्तल और नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के कुलपति आरसी मिश्रा रहेंगे । कार्यक्रम के दौरान प्लेफेयर का मैसेज स्पेशल गेस्ट बॉलीवुड कलाकार और नाडा के ब्रांड एंबेसडर सुनील शेट्टी देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी के महानिदेशक श्री नवीन अग्रवाल जी करेंगे. पेफी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन ने कहा कि खिलाड़ियों, खेल प्रशिक्षकों और शारीरिक शिक्षकों को खेलों में एंटी डोपिंग न्यूट्रिशनल और थेरोपेटिक जरुरत विषय पर देश और विदेश में विशेषज्ञों के द्वारा खिलाड़ियों, शारीरिक शिक्षकों और खेल प्रशिक्षकों को बेहतरीन जानकारी उपलब्ध कराना और डोप मुक्त खेल आयोजन कराना वेबिनार का मुख्य उदेश्य है। वेबिनार के समापन सत्र को भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र ध्रुव बत्रा जी संबोधित करेंगे। इस अवसर पर एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष आदिले सुमेरिवाला विशिष्ठ अतिथि के रूप में रहेंगे। इस दौरान देश के विभिन्न प्रदेशों से लगभग पांच हजार शारीरिक शिक्षक, खेल प्रशिक्षक, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं और शिक्षाविद् ऑनलाइन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

आईएसएल-7 : एटीकेएमबी का विजयरथ रोकना चाहेगा जमशेदपुर

वॉस्को(गोवा)।

विजयी हैट्रिक लगा चुकी एटीके मोहन बागान सोमवार को वॉस्को डी गामा के तिलक मैदान पर जमशेदपुर एफसी के खिलाफ होने वाले अपने अगले मैच को जीतकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज करना चाहेगी। मौजूदा चैम्पियन एटीकेएमबी ने अटैक और डिफेंस, दोनों में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। टीम इस सीजन में अब तक एक भी गोल नहीं खाई है और चार गोल दागे हैं। दूसरी तरफ, जमशेदपुर ने पिछले तीन मैचों में दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक में उसे हार मिली है। लेकिन इसके बावजूद कोच ओवेन कॉयले का मानना है कि वे अभी भी अपने विरोधियों को अपसेट कर सकते हैं। कॉयले ने कहा, प्रत्येक मैच चुनौतीपूर्ण है। लीग में देखने को मिला है कि प्रत्येक मैच बेहद कड़ा है। एटीकेएमबी ने अंकों के मामले में अच्छी शुरूआत की है और अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। इसलिए हम इस मैच को लेकर उत्साहित हैं। हम ड्रॉ को जीत में बदलना चाहते हैं और तीन अंक हासिल करना चाहते हैं। यह हमें तालिका में ऊपर ले जाएगा और हमारा ध्यान इसी पर है। उन्होंने कहा, लय बनानी महत्वपूर्ण है और जब आप लय हासिल कर लेते हैं तो कुछ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। हमें कुछ क्षेत्रों में काम करने की आवश्यकता है। हमने दिखाया है कि हम गोल कर सकते हैं। मुझे लगता है कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अधिक ठोस हों और मौके न छोड़ें। एटीकेएमबी के कोच एंटोनियो हबास का मानना है कि अटैकिंग ने अच्छी शुरूआत की है और डिफेंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, तीन क्लीन शीट के साथ प्रतियोगिता की शुरूआत करना महत्वपूर्ण है। टीम ने आत्मविश्वास हासिल किया है, प्रगति की है और सुधार किया है क्योंकि यह सबसे अच्छा तरीका है। हबास ने भी कहा कि कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, सेंट्रल मिडफील्ड में हमें सुधार करने की जरूर है। मुझे लगता है कि जमशेदपुर हमारे लिए एक मुश्किल टीम होगी। उनकी टीम में अच्छे खिलाड़ी है और मैं जानता हूं कि ओवेन ने इसके लिए अच्छी तैयारी की है।

संक्षिप्त समाचार

इस महामारी ने छोटी-छोटी चीजों का लुत्फ लेना सिखाया : सानिया मिर्जा

मुंबई। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने कहा है कि कोविड-19 महामारी ने उन्हें सिखाया कि छोटी-छोटी चीजों में किस तरह से खुशी ढूंढ़ी जाती है और परिवार के साथ बिताया गया समय कितना अहम होता है। सानिया ने दक्षिण भारत की मशबूर अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू से शो, कमिंग बैक टू लाइफ विद लक्ष्मी मांचू पर यह बात कही। सानिया ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने इस समय में जो खोज की है वो यह है कि खुश होने के लिए ज्यादा कुछ नहीं चाहिए होता। इस महामारी ने मुझे बताया है कि छोटी-छोटी चीजों का लुत्फ कैसे लिया जाता है, परिवार के साथ रहने, घर का बना खाना खाना क्या है, हमें हर दिन बाहर के खाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, इस चीज का आनंद लिया कि आप अपने माता-पिता के साथ हो, स्वास्थ हो। यह मुझे एहसास हुआ। मुझे लगा कि हम अगर शॉपिंग नहीं कर रहे हैं तो ठीक है, चीजें नहीं खीरदना भी ठीक है।

मैं एक तरह का गेंदबाज नहीं बनना चाहता : वेग्नर

हेमिल्टन । न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नील वेग्नर टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से परेशान करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा है कि वह एक तरह के गेंदबाज के तौर पर अपनी पहचान नहीं बनाना चाहते। वेग्नर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सेड़न पार्क मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट मैच में अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान किया। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पारी और 134 रनों से जीत हासिल की। स्टफ डॉट को डॉट एनजेड ने वेग्नर के हवाले से लिखा है, मैंने हमेशा इन पर काम किया है। मैं एक तरह के गेंदबाज के तौर पर अपनी पहचान नहीं बनाना चाहता। मैं जानता हूं कि मैं बाकी चीजें भी कर सकता हूं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में मैंने शॉर्ट पिच गेंदों पर काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि शॉर्ट गेंदों का प्लान हमेशा काम नहीं करता। छोटी बाउंड्रीज होने पर आप रन लुटाते हैं। मुझे यह लगता है कि यह अनुभव से और मैदान के बारे में जानकारी, बाकी गेंदबाजों से बात कर के आता है। वेग्नर ने कहा कि अगर यह कारगर साबित होता है तो टीम शॉर्ट गेंद के रणनीति पर टिकी रहेगी। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच शुक्रवार से वेल्गिंटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला जाएगा।

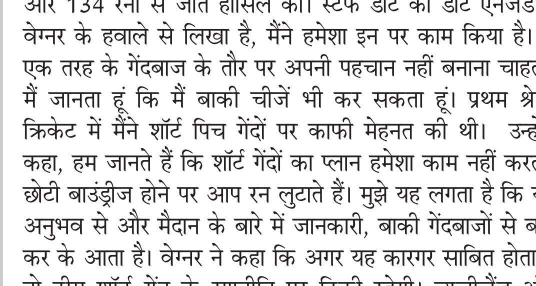

नटराजन को मैन ऑफ द मैच होना चाहिए था - हार्दिक पांड्या

सिडनी . दूसरे टी-20 मैच में भारत को हार से मुंह से निकाल कर जीत दिलाने वाले हार्दिक पांड्या को उनकी नाबाद 42 रनों की पारी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन पांड्या को लगता है कि उन्हें नहीं बल्कि टी. नटराजन को उनकी किफायती गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना जाना चाहिए था। आस्ट्रेलिया ने रविवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर खेले गए दूसरे टी-20 मैच में भारत के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में **Hardik Pandya**पांच विकेट खोकर 194 रन बनाए। भारत के सारे गेंदबाज पिटे लेकिन नटराजन ने चार ओवरों में सिर्फ 20 रन दिए और दो विकेट भी लिए। पांड्या ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि नटराजन को मैन ऑफ द मैच होना चाहिए था। उनकी वजह से हमें कम से कम 10 रन कम का लक्ष्य मिला। पांड्या ने अपनी बल्लेबाजी पर कहा, यह बेहद आसान है। मैं स्कोरकार्ड देखकर खेलना पसंद करता हूं। इससे आपको पता चलता है कि आपको किस तरह के शॉट्स खेलने हैं। मैंने अपने सभी मैचों में यह अनुभव किया है कि टी-20 में आप जितना सोचते हो उससे ज्यादा समय आपके पास होता है। उन्होंने कहा, फर्क नहीं पड़ता की लक्ष्य क्या है। हमने पहले भी अंत के पांच ओवरों में 80-90-100 रन बनाए हैं और मुझे इससे आत्मविश्वास मिला। भारत ने इसी के साथ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है।

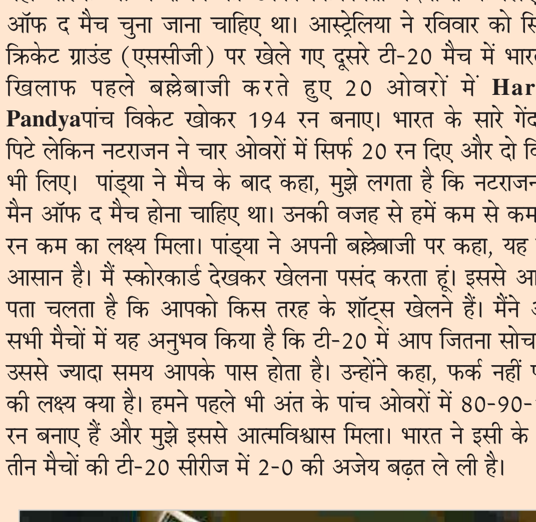

आईएसएल-7 : विजयी हैट्रिक के साथ मुम्बई टॉप पर पहुंचा

बोम्बोलिम(गोवा)।

पहले हाफ में किए गए दो गोल के सहारे मुम्बई सिटी एफसी ने रविवार को बोम्बोलिम के जीएमसी स्टेडियम में ओडिशा एफसी को 2-0 से हराकर हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की मुम्बई की चार मैचों में यह लगातार तीसरी जीत है और अब वह नौ अंकों के साथ तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है। ओडिशा को इस सीजन में अब भी अपनी पहली जीत की दरकार है। टीम को चार मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है और वह 10वें स्थान पर है। अपनी पहली जीत की तलाश में उतरी ओडिशा चौथे और मुम्बई सिटी 19वें मिनट में गोल करने का मौका गंवा बैठी। यहां चूकने के बाद 29वें मिनट मुम्बई के लिए अपना खाता खोलने का मौका आया। ओडिशा के शुभम सारंगी पेनाल्टी एरिया में बॉल को हैंड कर बैठे और रेफरी ने मुम्बई को पेनाल्टी दे दिया। नाइजीरियन फॉरवर्ड बाथोलोंमेव ओगबेचे ने 30वें मिनट में इस पेनाल्टी को गोल में तब्दील करके मुम्बई सिटी को 1-0 से आगे कर दिया। इसके चार मिनट बाद ही मुम्बई ने अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया जब सेनेगल के डिफेंडर मौटार्डा फाल ने हेडर से बॉल को नेट में पहुंचा था। लेकिन रेफरी ने उनके इस गोल को डिसअलॉउ कर दिया। यहां ओडिशा के गोलकीपर कमलजीत सिंह फाल के इस गोल को रोकने के प्रयास में चोटिल हो गए और उनकी जगह रवि कुमार को बतौर सब्सीटयूट गोलकीपर के रूप में मैदान पर आना पड़ा। रवि का मैदान पर आने से ओडिशा को कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि 45वें मिनट में उसे मैच का दूसरा गोल खाना पड़ा। मुम्बई के लिए दूसरा गोल रॉवलिन बोर्जेस ने बिपिन सिंह के क्रॉस पर हेडर से किया। ओडिशा ने इसके बाद हाफ टाइम तक 2-0 की अपनी बढ़त को बनाए रखा। ओडिशा दूसरे हाफ में एक बदलाव के साथ उतरी। 49वें मिनट में मुम्बई के स्कोरर ओगबेचे द्वारा बॉक्स के बाहर से लगाए गए शॉट और 10 मिनट बाद ही अहमद जोहो के शॉट को ब्लॉक कर दिया गया। 65वें मिनट तक मुम्बई 70 प्रतिशत बॉल पजेशन और 387 पास के साथ ओडिशा पर लगातार दबाव बनाए हुई थी। दो मिनट बाद ही ओडिशा के मौरिसियो ने पहली बार सही शॉट लगाया, जिसे मुम्बई के गोलकीपर अमरिंदर सिंह ने सेव कर लिया। 69वें मिनट में ओडिशा के जैकब ट्रोट और 74वें मिनट में सौरभ मेहर को येलो कार्ड का सामना करना पड़ा। अगले ही मिनट में मुम्बई ने अपने आक्रमण और ज्यादा तेजी लाने के लिए दो बदलाव किए।

ला लीगा : लगातार सातवीं जीत के साथ एटलेटिको मेड्रिड टॉप पर

मेड्रिड ।

दूसरे हाफ में किए गए दो गोलों की मदद से रियल मेड्रिड ने ला लीगा मुकाबले में रियल वलाडोलिड को 2-0 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। ईएसपीएन की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार रात घर में खेले गए इस मुकाबले में एटलेटिको मेड्रिड के लिए थॉमस लेमार ने 56वें और मार्कस लोरेंटो ने 72वें मिनट में गोल किया। लेमार की अप्रैल 2019 के बाद से यह पहला गोल है। वहीं, लोरेंटो का सीजन का यह पहला गोल है। लीग में लगातार सातवीं जीत के बाद एटलेटिको मेड्रिड अब 10 मैचों में 26 अंकों के साथ तालिका में टॉप पर पहुंच गई है।

बीसीसीआई अधिकारी कुछ और दिन रहेंगे पदों पर, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार

नई दिल्ली।

बीसीसीआई जब 24 दिसम्बर को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित करेगी तब सुप्रीम कोर्ट शीतकालीन छुट्टियों पर होगी। सुप्रीम कोर्ट की छुट्टियां 18 दिसम्बर से एक जनवरी तक रहेंगी। इसका मतलब है कि क्रिकेट रिफॉर्म संबंधित सभी मामले अगले साल में पहुंचेंगे। इसका यह भी मतलब है कि सौरव गांगुली, जय शाह और जयेश जॉर्ज अपने पदों पर 2021 तक बने रहेंगे वो भी तब जब उनका कार्यकाल कुछ महीनों पहले खत्म हो चुका है। बीसीसीआई के नए संविधान के मुताबिक, उसके अधिकारियों को बीसीसीआई में या किसी राज्य संघ में, दोनों को मिलाकर, लगातार छह साल बिताने के बाद कूलिंग ऑफ पीरियड में जाना होता है। कूलिंग ऑफ पीरियड बिताने के बाद वह शख्स दोबारा तीन साल के लिए लौट सकता है। यह उन सात नियमों में से है जिन पर बदलाव की मांग की गई है। सौरव गांगुली पिछले साल 23 अक्टूबर को बीसीसीआई अध्यक्ष चुने गए थे। उनके पास 278 दिन बचे थे क्योंकि वह बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) में भी रह चुके थे। वह सीएबी में जुलाई 2014 से थे। इसलिए बीसीसीआई में उनका कार्यकाल 26 जुलाई 2020 को खत्म हो गया है। मेनलाइन अखबार की 2013 की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई के मौजूदा सचिव जय शाह आठ सितंबर 2013 को गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) के संयुक्त सचिव चुने गए थे। इससे पहले भी वह जीसीए के कार्यकारी थे। इसलिए उनका कार्यकाल भी खत्म हो चुका है। बीसीसीआई के मौजूदा संयुक्त सचिव जॉर्ज पांच साल तक केरल क्रिकेट संघ (केसीए) के सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष रह चुके हैं और वह बीसीसीआई में बतौर संयुक्त सचिव एक साल पूरा कर चुके हैं। पिछले साल सितंबर में उन्होंने केसीए के चुनाव के समय एक अखबार से कहा था कि, मैं 21 जून 2013 से सात जुलाई 2018 तक केसीए में रहा हूं। मेरे पास छह साल का समय पूरा करने के लिए अभी 11 महीने बाकी है। केसीए के कार्यकाल के दौरान उन्होंने ब्रेक भी लिया था। उन्होंने सात जुलाई 2018 से 14 सितंबर 2019 के बीच ब्रेक लिया था और फिर 23 अक्टूबर 2019 को केसीए अध्यक्ष के तौर पर लौटे थे। इसका मतलब है कि वह अपने छह साल पूरे कर चुके हैं, ब्रेक को हटाकर। इसलिए 14 सितंबर से वह भी कूलिंग ऑप पीरियड में चले जाने चाहिए थे। तीनों अधिकारी हालांकि अभी बोर्ड में हैं क्योंकि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। इन सभी ने सुप्रीम कोर्ट में बीसीसीआई संविधान में सात बदलाव करने की अपील की है। यह सभी खास तौर पर नियम 45 से छुटकारा चाहते हैं जिसके तहते बीसीसीआई के लिए अनिवार्य है कि वह किसी भी तरह का सुधार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी ले।

अभद्र भाषा का उपयोग करने पर मिशेल पर जुर्माना

हेमिल्टन। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर न्यूजीलैंड के आलराउंडर डेरिल मिशेल पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। जर्मेन ब्लैकवुड की 104 रनों की पारी भी वेस्टइंडीज को हार से नहीं बचा सकी। न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन ही वेस्टइंडीज पर पारी और 134 रनों से एकतरफा जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। मामला विंडीज की पारी के 62वें ओवर की है जब कप्तान जेसन होल्डर विकेटों के बीच रन लेने के लिए दौड़ रहे थे तभी मिशेल ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। मिशेल को आईसीसी की आचार संहिता का अनुच्छेद 2.3 का दोषी पाया गया। आईसीसी ने साथ ही मिशेल के अनुशासन रिकॉर्ड में भी एक डीमेरिट अंक जोड़ दिया है। जब कोई खिलाड़ी 24 महीने के अंदर चार या उससे ज्यादा डीमेरिट अंक पा लेता है तो उसे निलंबन का सामना करना पड़ता है। आलराउंडर मिशेल ने अपनी गलती के लिए माफी मांग ली है और इसलिए अब उनके खिलाफ औपचारिक कार्रवाई की जरूरत नहीं है। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में शुक्रवार से खेला जाएगा।

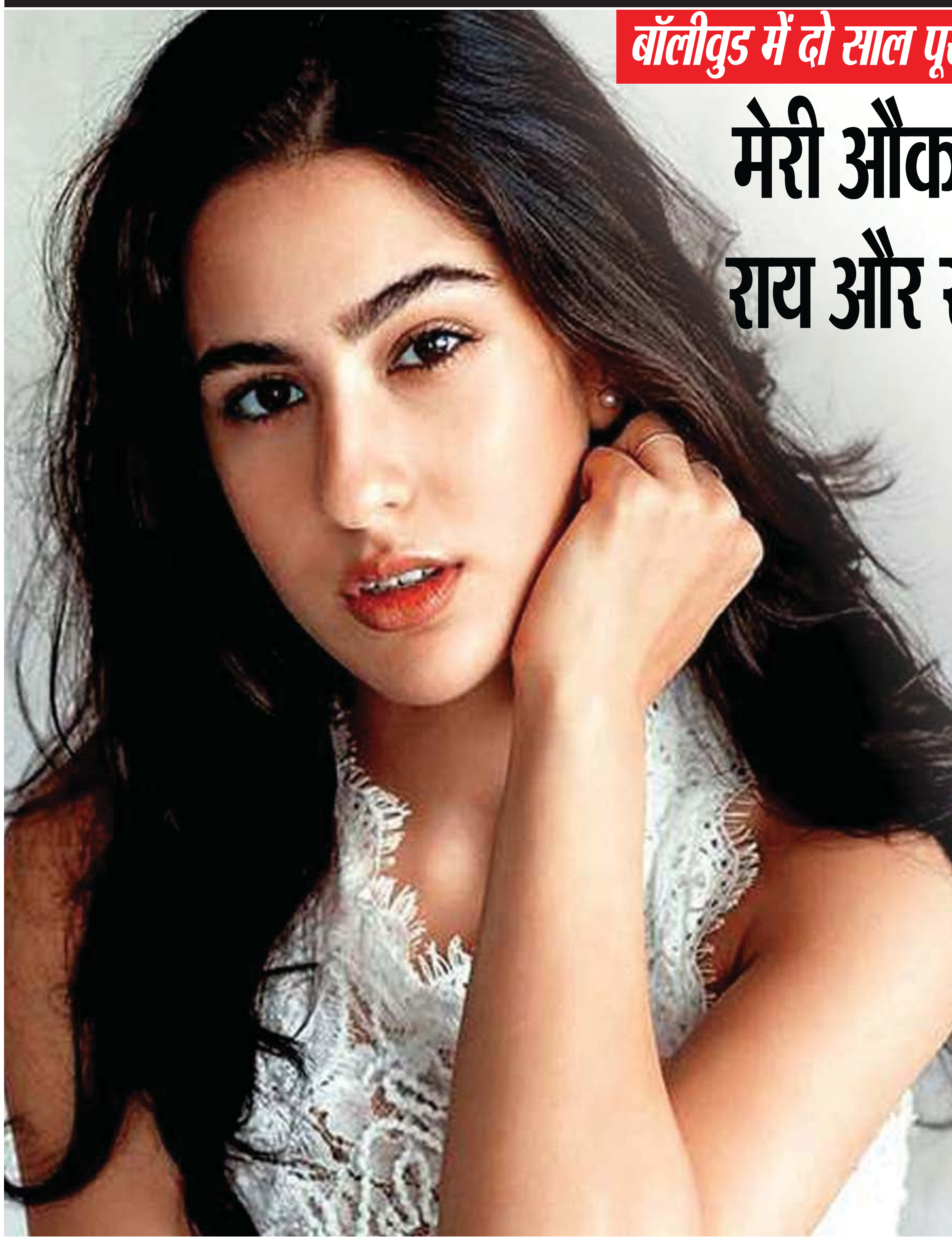

बॉलीवुड में दो साल पूरे होने पर सारा अली खान ने कहा

मेरी औकात नहीं मैं आनंद एल राय और रोहित शेट्टी को चुनूंगी

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान ने बहुत कम समय में फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बना ली हैं। बॉलीवुड में अपने दो साल पूरे करने पर सारा अली खान कहा कि वह बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम करने पर खुद को भाग्यशाली मानती हैं। उन्होंने कहा कि मेरी औकात नहीं है कि मैं आनंद एल राय और रोहित शेट्टी का चयन करूंगी।

सारा अली खान ने बताया कि वह फिल्मों को नहीं चुनती हैं बल्कि फिल्में उन्हें चुनती हैं। पिंकविला के साथ बातचीत के दौरान सारा ने कहा, 'मैं फिल्मों को चयन नहीं करती हूं फिल्में मुझे चुनती हैं। मैं बहुत लकी रही हूं कि करियर के शुरुआती दौर में मुझे उन डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला जिन्हें मैं चुनने की स्थिति में नहीं हूं। मेरी औकात नहीं है कि मैं आनंद एल राय (अतरंगी रे) या रोहित शेट्टी (सिम्बा) को चुनूंगी। वे मुझे चुनेंगे।'

इससे पहले सारा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह खुद की तुलना अपने को-एक्टर्स के साथ नहीं करती हैं। पीटीआई से बातचीत में सारा ने कहा, 'जब आप रणवीर और वरुण जैसे लोगों के साथ काम कर रहे होते हैं तो आपकी औकात नहीं होती है कि आप इस तरह की तुलना कर सकें। आप सिर्फ रोहित और डेविड सर, वरुण या रणवीर के साथ काम करने को लेकर शुक्रगुजार हो सकते हैं। आप इस तरह की तुलना करना भी नहीं चाहते हैं।'

सारा आगे कहती हैं कि स्क्रीन टाइम इतना मायने नहीं रखता है क्योंकि वो लोग आपके साथ काम करते हैं जो आपको प्रेरणा देते हैं। सारा कहती हैं, 'स्क्रीन टाइम इतना मायने नहीं रखता क्योंकि ये लोग आपको बहुत कुछ सिखाते और प्रेरित करते हैं। आप एक अच्छी कहानी सुना रहे हैं, लोगों को एंटरटेन कर रहे हैं। तो किसने कौन-सा मजाक सुनाया इस लड़ाई में मैं उतरना नहीं चाहती हूं।'

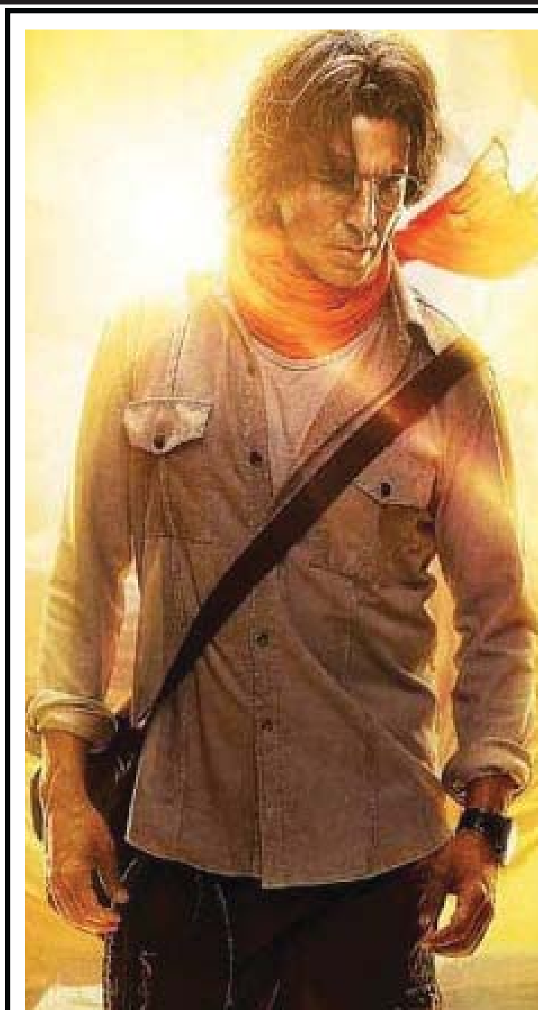

योगी से मुलाकात के बाद अक्षय कुमार अयोध्या में करेंगे रामसेतु की शूटिंग

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुंबई पहुंचे और उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के कई लोगों से मुलाकात की, जिनमें अक्षय कुमार भी शामिल थे। योगी चाहते हैं कि फिल्म इंडस्ट्री अपनी फिल्मों की शूटिंग उत्तर प्रदेश में भी करे, जहां मुंबई जैसी फिल्मसिटी की सारी सुविधाएं भी हों। अक्षय कुमार ने भी इस मुद्दे पर कुछ सुझाव दिए हैं।

खबर है कि योगी से मुलाकात के बाद अक्षय अपनी फिल्म 'रामसेतु' की शूटिंग अयोध्या में करने जा रहे हैं। वे रियल लोकेशन्स पर शूटिंग करेंगे। यह एक ऐसे आदमी की कहानी है जो यह पता लगाने निकलता है कि राम सेतु कल्पना है या नहीं।

कहा जा रहा है कि अक्षय कुमार इस फिल्म को वास्तविकता के नजदीक रखना चाहते हैं इसलिए वे और निर्देशक अभिषेक शर्मा अयोध्या स्थित रियल लोकेशन्स पर शूटिंग करना चाहते हैं। 2021 के मध्य से शूटिंग शुरू होगी। उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर भी शूटिंग की जा सकती है।

इस समय अक्षय बेलबॉटम, पृथ्वीराज, रक्षा बंधन, सूर्यवंशी, अतरंगी रे और बच्चन पांडे जैसी फिल्मों से जुड़े हैं। एकता कपूर भी उनको लेकर एक फिल्म बना रही हैं।

आदित्य रॉय कपूर की फिल्म 'ओम- द बैटल विदिन' का पोस्टर रिलीज

फिल्म अभिनेता आदित्य रॉय कपूर 'ओम- द बैटल विदिन' नामक फिल्म करने जा रहे हैं जिसमें उनका एक्शन अवतार दिखाई देगा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए उनका पोस्टर जारी हुआ है जिसमें एक्टर अपने शानदार बॉडी का प्रदर्शन करते नजर आ रहे हैं।

आदित्य का यह अंदाज पहले कभी नहीं देखा गया है और इससे उनके फैंस में खलबली है। वे फिल्म में जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे और सभी को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है।

इस फिल्म को ए पेपर डॉल एंटरटेनमेंट, जी स्टूडियो, अहमद खान और शायरा खान द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। निर्देशक हैं कपिल वर्मा। संजना सांघी फिल्म में आदित्य की हीरोइन हैं।

'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' में कनिका मान अपना रहीं चार अलग-अलग लुक्स

जी टीवी के पॉपुलर फिक्शन शो 'गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा' को अपनी अनोखी और दिलचस्प कहानी के चलते दर्शकों का बहुत प्यार मिल रहा है। इस शो में 20 साल के लीप के बाद छोटी गुड्डन (कनिका मान) की जिंदगी बहुत-से उतार-चढ़ाव से गुजरी और एक बार फिर इस शो की कहानी में एक दिलचस्प ट्विस्ट आया है।

छोटी गुड्डन की मां यानी ओरिजिनल गुड्डन, जिसकी लीप के पहले अक्षत के साथ दर्दनाक मौत हो गई थी, अब एक बार फिर पुष्पा (अनाहिता जहानबख्श) और निया (मायरा मिश्रा) की साजिशों से अपनी बेटी को बचाने लौट आई है। उनके अपराध कबूल करवाने की कोशिश में छोटी गुड्डन और बड़ी गुड्डन साथ मिलकर सभी को खूब डरा रहे हैं।

जहां बड़ी गुड्डन आत्मा बनने का नाटक करते हुए घर के हर सदस्य को डरा रही हैं, वहीं पुष्पा और सोना, काली की मदद लेती हैं। काली कोई और नहीं बल्कि गुड्डन ही है, जो उन्हें यह विश्वास दिलाने के लिए तंत्र-मंत्र करती है कि वो गुड्डन के भूत से सुरक्षित रहेंगी। जहां वो सभी को डराने का नाटक जारी रखती है, वही छोटी गुड्डन भी बीच-बीच में नजर आती हैं जिससे पुष्पा, सोना, सरू और निया अपनी जान बचाने की फिक्र में जुट जाती हैं।

गुड्डन के द्वारा निभाए जा रहे हैं अलग-अलग किरदारों के चलते कनिका मान ने हाल ही में इस शो के हर एपिसोड के लिए चार अलग-अलग लुक अपनाए। बड़ी गुड्डन से छोटी गुड्डन बनना और फिर वापस बड़ी गुड्डन बनना, भले ही मुश्किल ना हो, लेकिन काली का अवतार अपनाना और बड़ी गुड्डन के भूत का रोल निभाना कनिका के लिए बहुत मुश्किल था।

हालांकि उन्होंने शिकायत नहीं की और अपने किरदार के अलग-अलग शेड्स को एक्सप्लोर करने को लेकर बेहद उत्साहित रहीं।

कनिका मान ने कहा, गुड्डन का किरदार निभाना बढ़िया अनुभव है। मैं इस बात की शुक्रगुजार हूं कि मुझे इतने सारे किरदार निभाने का मौका मिला, जिनके अपने शेड्स और विचित्र स्वभाव हैं। गुड्डन का लुक हमेशा बदलता रहा है और इस समय मैं बारी-बारी से तीन-चार अलग-अलग किरदार निभा रही हूं। मेरा नया किरदार काली का है, जिसका लुक फिल्म चाची 420 से प्रेरित है। मेरे इस अवतार में एक महाराष्ट्रीयन टच भी है।

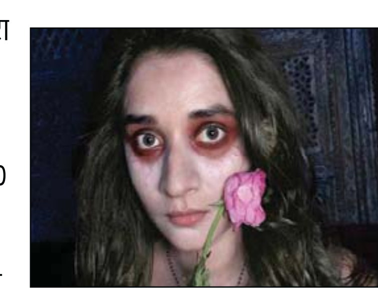

इसके अलावा मैं छोटी और बड़ी गुड्डन के रोल निभाने के लिए बारी-बारी से सूट और साड़ी भी बदलती हूं। इन सबके बीच कुछ दृश्य ऐसे भी हैं, जिसमें मुझे गुड्डन की आत्मा बनने के लिए थोड़ा डरावना लुक भी अपनाना पड़ा। भले ही यह बड़ा दिलचस्प लगे लेकिन यह पूरी प्रक्रिया बड़ी थका देने वाली है। कुछ भी कहो इसका अनुभव बड़ा रोमांचक है।

कनिका ने कहा, मेरे पूरे लुक्स बड़े दिलचस्प हैं और मैं क्रिएटिव टीम को गुड्डन के चार अलग-अलग किरदारों को बखूबी डिजाइन करने का श्रेय देना चाहूंगी। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी गुड्डन को इन अलग-अलग अवतारों में देखकर खूब एंजॉय कर रहे होंगे।

रितिक रोशन को लेकर सिद्धार्थ आनंद बनाएंगे फिल्म फाइटर

रितिक रोशन को लेकर सिद्धार्थ आनंद ने 'बैंग बैंग' बनाई थी। रितिक को सिद्धार्थ का काम पसंद आया, जिसके बाद दोनों ने 'वॉर' नामक एक्शन मूवी साथ में की। यह 2019 की सबसे सफल फिल्म साबित हुई और रितिक का ऐसा अंदाज पहले कभी नहीं देखा गया। खबर है कि अब सिद्धार्थ और रितिक 'फाइटर' नामक फिल्म प्लान कर रहे हैं, जिसकी शूटिंग 2022 की शुरुआत में शुरू होगी और 2022 के अंत तक यह फिल्म रिलीज होगी।

सूत्रों के अनुसार रितिक जब 'वॉर' मूवी की शूटिंग कर रहे थे तब सिद्धार्थ ने 'फाइटर' फिल्म की कहानी का आइडिया रितिक को बताया था जिसकी पृष्ठभूमि फाइटर जेट है। रितिक को आइडिया पसंद आया। लॉकडाउन के दौरान सिद्धार्थ ने कहानी पर काम करना शुरू किया। रितिक ने भी महत्वपूर्ण इनपुट्स दिए हैं और रितिक के सुपरविजन में स्क्रिप्ट लिखने का काम चल रहा है। फिलहाल सिद्धार्थ 'पठान' नामक फिल्म बना रहे हैं जो 2021 की दिवाली के पहले खत्म हो जाएगी। इसके बाद वे 'फाइटर' फिल्म शुरू करेंगे। इस एरियल एक्शन थ्रिलर में रितिक लार्जर देन लाइफ वाले रोल में दिखाई देंगे और एक बार फिर फिल्म एक्शन से भरपूर होगी। फाइटर खत्म करने के बाद रितिक कृष 4 की शूटिंग शुरू करेंगे। इसके अलावा वॉर 2 भी उनको लेकर प्लान की जा रही है।

वरुण धवन और सारा अली खान का 'तेरी भाभी' गाना रिलीज, 90 के दशक की दिलाई याद

वरुण धवन और सारा अली खान की कुली नंबर 1 का ट्रेलर जारी करने के बाद, निर्माताओं ने आज फिल्म का नया गाना तेरी भाभी रिलीज किया। गाने की आवाज़ और लुक से, यह 90 के दशक की प्रमुख झलकियाँ देता है। वरुण एक रेलवे प्लेटफॉर्म पर सारा की तस्वीर और सैकड़ों बैकग्राउंड डांसरों के साथ नाचते हुए दिखाई देते हैं। अभिनेत्री बाद में वरुण के साथ में डांस करती है। वरुण धवन के चेहरे के भाव और डांस स्टेप्स आपको गोविंदा की याद जरूर दिलाएंगे।

गाने में वरुण को सफेद पैंट के साथ लाल शर्ट के साथ कुली के अवतार में डांस करते हुए दिखाया गया है। गाने के आखिर में सारा को एक सुंदर हरा, पीला और गुलाबी लहंगा पहन कर वरुण के साथ डांस करते हुए देखा जा सकता है। कलाकारों की टुकड़ी में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत लगती है।

तेरी भाभी को जावेद-मोहसिन ने लिखा और संगीतबद्ध किया है, जबकि दानिश साबरी ने गीत के बोल लिखे हैं। गाने को जावेद - मोहसिन ने गाया है, जो देव नेगी और नेहा कक्कड़ के साथ हैं। तेरी भाभी एक 90 के दशक की क्लासिक संख्या है, जो आपको उन सभी लटकों और झटको की याद दिलाएगी, जिनका उपयोग आप अपने शुरुआती दिनों में करते थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

न्युज

आईएमए घोटाले में रोशन बेग को मिली जमानत

बेंगलुरु, (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने करोड़ों रुपए के आई मोनेटरी एडवाइजरी (आईएमए) घोटाले मामले में शनिवार को कर्नाटक के पूर्व मंत्री रोशन बेग को सशर्त जमानत दे दी। अदालत ने स्वास्थ्य के आधार पर बेग की जमानत मंजूरी करते हुए उसे अदालत की पूर्व अनुमति के बिना शहर न छोड़ने, पासपोर्ट जमा कराने, हर महीने दूसरे और चौथे सोमवार को अधिकारियों के सामने पेश होने और जांच में सीबीआई को सहयोग करने के निर्देश दिये हैं। श्री बेग के वकील शशिकिरण शेट्टी ने तर्क दिया कि सीबीआई ने श्री बेग की पूछताछ पूरी कर ली है। जब भी जांच अधिकारियों द्वारा उनके मुवक्किल को बुलाया जाएगा, वह सहयोग करेंगे और उनके सामने पेश होंगे।

विधायक की हत्या मामले में रॉय को बनाया आरोपी

कोलकाता, (एजेंसी)। कृष्णागंज के तृणमूल कांग्रेस विधायक सत्यजीत बिस्वास की हत्या के मामले में प. बंगाल सीआईडी ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय को आरोपी बनाया है। आरोप पत्र शनिवार को नदिया जिले की एक अदालत में दायर किया गया। बिस्वास की हत्या के मामले की जांच के दौरान षड्यंत्रकारी के रूप में रॉय की सक्रिय भागीदारी, का पता लगा। इससे पहले सीआईडी के अधिकारियों ने इस संबंध में भाजपा नेता से पूछताछ की थी। हालांकि, राज्य एजेंसी ने पिछले साल मई में दायर पहले आरोप-पत्र में उन्हें नामजद नहीं किया था। संपर्क किए जाने पर रॉय ने आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि उन्होंने कभी भी हिंसा की राजनीति में विश्वास नहीं किया।

पाकिस्तान ने फिर किया संघर्ष विराम का उल्लंघन

जम्मू, (एजेंसी)। पाकिस्तानी सैनिकों ने शनिवार सुबह एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) और अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास अकारण गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान के सैनिकों ने पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास शनिवार को सुबह करीब 1140 बजे छोटे हथियारों से गोलीबारी करके और मोर्टार से गोले दाग कर अकारण संघर्ष विराम का उल्लंघन किया।उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने भी सीमा पार से हुई गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। इस बीच, पाकिस्तानी रेंजरों ने कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगे गांवों में भी गोले दागे। सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया।

बर्फबारी

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में ताजा बर्फबारी होने के बाद सिसु झील बर्फ से ढक गई।

समुद्र में चीन से निपटने के लिए नौसेना की जरूरत बना तीसरा विमानवाहक

पीएम को दी गई जानकारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह ने कहा है कि एशिया में वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए एक तीसरे विमानवाहक पोत की जरूरत है। इसकी जानकारी उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भी पहुंचा दी है।

कैबिनेट मंजूरी समेत तमाम प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद एक विमानवाहक पोत को बनने में 18 वर्ष का समय लग जाता है। ऐसा आईएनएस विक्रांत के मामले में देखा जा चुका है। वहीं, चीन द्वारा अब छठे विमानवाहक पोत को समुद्र में उतारने की तैयारी है, ऐसे में भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाकारों को अब भारतीय विमानवाहक पोत को लेकर कोई कदम उठाना होगा।

भारत को करना होगा सामरिक शक्ति का प्रदर्शनः नौसेना दिवस के मौके पर नौसेना प्रमुख ने कहा था कि भारत अगर पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना चाहता है तो इसे खुद की सुरक्षा

करने के अलावा अपनी सामरिक शक्ति का भी प्रदर्शन करना होगा। भारतीय सैन्य हलकों में तीसरे विमानवाहक पोत को लेकर बहस शुरू हो गई है, क्योंकि नौसेना को यह बताना होगा कि लंबी दूरी के स्टैंड-ऑफ हथियारों के युग में यह पोत कितने समय तक टिक पाएगा। वास्तव में चीन के पास डीएफ-21 मिसाइल है, जिसकी रेंज 1700 किमी है। चीन में इसे शिप किलर का नाम दिया गया है। भारतीय नौसेना का मानना है कि उसे शक्ति प्रदर्शन को लेकर भारतीय प्रायद्वीप तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि समुद्र में उसकी मौजूदगी लंबी दूरी तक होनी चाहिए।

फारस की खाड़ी तक वायु शक्ति को प्रदर्शित कर सकता है भारत

दूसरी तरफ, भारतीय सुरक्षा नियोजकों का कहना है कि यदि भारत बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और हिंद महासागर में अपने कुछ 1,062 द्वीप क्षेत्रों को सैन्य ठिकानों में परिवर्तित करने में इस तरह का पैसा लगाता है, तो यह मलक्का जलडमरू और फारस की खाड़ी तक वायु शक्ति को प्रदर्शित कर सकता है। वहीं, अगर द्वीप क्षेत्रों में स्थायी ठिकानों को लेकर नकारात्मक पहलू यह है कि वे चीनी गुआम किलर डीएफ 26 मिसाइल की रेंज में होंगे।

अयोध्या में दो मीनारों वाली अंडाकार मस्जिद बनेगी

2000 लोग एक साथ अता कर सकेंगे नमाज

लखनऊ, (एजेंसी)। अयोध्या के धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद परंपरागत स्वरूप से अलग दो मीनारों के साथ अंडाकार होगी। इसे आधुनिक स्वरूप देने के लिए इसमें मेहराब नहीं बनाए जाएंगे। बाबरी मस्जिद के बराबर रकबा में बनने वाली इस मस्जिद में एक साथ 2000 लोग नमाज अता कर सकेंगे। इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन ट्रस्ट ने इसकी डिजाइन तैयार करवा ली है। हालांकि अभी तक इसका खुलासा नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर राज्य सरकार ने मस्जिद बनाने के लिए धन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन दी है। फाउंडेशन ने इस जमीन पर मस्जिद, अस्पताल, इंडो इस्लामिक रिसर्च सेंटर और कम्यूनिटी किचन की डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी बीते एक सितंबर को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में आर्किटेक्चर विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसएम अख्तर को दी थी।

मस्जिद को दिया गया है मॉडर्न लुक

सूत्रों का कहना है कि लगभग 15,000 वर्गफीट में बनने वाली मस्जिद की इमारत की डिजाइन तैयार हो गई है। इसमें मस्जिद को परंपरागत स्वरूप से हटकर मॉडर्न लुक दिया गया है। इमारत का आकार अंडाकार रखा है, जबकि छत गुंबदनुमा और पारदर्शी होगी। इसकी दो मीनारें आधुनिक शैली में डिजाइन की गई हैं। ये मीनारें बिल्कुल सीधी न होकर हल्की गोलाकार नजर आएंगी। इस मस्जिद में मेहराब नहीं होंगी।

सौर ऊर्जा से रोशन होगी मस्जिद

मस्जिद में प्रकाश की व्यवस्था सौर ऊर्जा से की जाएगी। इसके लिए सोलर पैनल लगाए जाएंगे। पर्यावरण सरंक्षण को ध्यान में रखते हुए मस्जिद परिसर को हरा-भरा रखने के साथ ही यहां जल संरक्षण करने की भी योजना है।

अब्दुल्ला आजम से होगी 65 लाख की वसूली

विधायक के रूप में लिए वेतन एवं भत्ते जमा कराने के आदेश

रामपुर, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम से विधायक के रूप में लिए गए वेतन व भत्ते वसूलने के आदेश जारी हुए हैं। मुख्य लेखा अधिकारी अनुज कुमार पांडेय ने अब्दुल्ला आजम को नोटिस जारी कर 65 लाख रुपए जमा करने के आदेश दिए हैं।

अब्दुल्ला आजम 2017 के विधानसभा चुनाव में स्वार सीट से निर्वाचित घोषित हुए थे। नामांकन पत्र दाखिल करते वक्त अब्दुल्ला की आयु संबंधी गलत जानकारी दी थी जिस पर मुकदमा दर्ज कराया गया था। हाईकोर्ट ने 16 दिसंबर 2019 को अब्दुल्ला आजम की विधायकी रद्द कर दी थी। विधानसभा सचिवालय ने भी हाईकोर्ट के फैसले के बाद स्वार सीट को रिक्त घोषित कर दिया था।

इस पूरे प्रकरण को लेकर भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने प्रमुख सचिव विधानसभा से मांग की थी कि अब्दुल्ला आजम को विधायक के रूप में दिए गए वेतन एवं भत्ते को उनसे सूद समेत वापस लिया जाए। उनके द्वारा की गई इस शिकायत के बाद बीते 2 दिसंबर 2020 को उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य लेखा अधिकारी अनुज कुमार ने अब्दुल्ला आजम को नोटिस जारी किया है। नोटिस में लिखा है अब्दुल्ला आजम ने 14 मार्च 2017 से 16 दिसंबर 2019 तक जो भी वेतन व भत्ते प्राप्त किए हैं उसकी रकम सरकारी कोष में जमा कराएंगे।

राजस्थान में फिर से शुरू होने वाला है सरकार गिराने का खेल : गहलोत

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ताजा बयान से सियासी हड़कंप मच गया है। शनिवार को सीएम गहलोत ने कहा कि राजस्थान में सरकार गिराने का खेल फिर से शुरू होने वाला है, महाराष्ट्र में सरकार गिराने की चर्चाएं हैं। अजय माकन तो उस घटनाक्रम के गवाह रहे हैं, जब पिछले दिनों वे 34 दिन होटल में हमारे विधायकों के साथ रहे थे, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हमारे विधायक मिले थे, वहां केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी बैठे हुए थे और हमारे विधायकों की एक घंटा भेंट हुई। बाद में हमारे विधायकों ने बताया था कि हमें शर्म आती कि कैसे गृह मंत्री हैं, वो हमारे विधायकों से कह रहे थे कि पांच सरकारें गिरा दी छठी भी गिरा देंगे। गहलोत ने कहा कि यह तो अजय माकन, रणदीप सुरजेवाला, अविनाश पांडे यहां (जयपुर) आकर बैठ गए, तब जाकर सरकार बच पाई।

जस्टिन ट्रूडो की टिप्पणी भारत का जवाब

कोरोना को लेकर कनाडा की बैठक में शामिल नहीं होंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली, (एजेंसी)। किसान आंदोलन पर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की टिप्पणी पर भारत की ओर से नाराजगी जताने के बाद कनाडाई पीएम ने अपने बयान पर कायम रहने का फैसला किया है। इससे नाराज विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोरोना को लेकर कनाडा के साथ होने वाली बैठक में शामिल न होने का फैसला लिया है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली ने ओटावा को सूचित किया है कि भारतीय विदेश मंत्री सात दिसंबर को होने वाली बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। इधर जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद कनाडा में भारत विरोधी रैलियां शुरू हो गई हैं। वहीं नई दिल्ली में शुक्रवार को कनाडाई उच्चायुक्त नादिर पटेल को विदेश मंत्रालय ने तलब किया था।

टिप्पणी से पड़ सकता है दोनों देशों के संबंधों पर असर : भारत

भारत ने कहा था कि कनाडा के पीएम की टिप्पणी से दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की इस तरह की टिप्पणियों ने कनाडा में भारतीय मिशन के बाहर अतिवादी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पीएम की इन टिप्पणियों ने कनाडा में हमारे उच्चायोग और वाणिज्य दूतावासों के सामने चरमपंथी सभाओं को प्रोत्साहित किया है। इससे सुरक्षा का बड़ा सवाल पैदा होता है। हम कनाडा सरकार से उम्मीद करते हैं कि वो भारतीय राजनयिक की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

कनाडा के पीएम अपने बयान पर कायम

इधर भारत की ओर नाराजगी जताने के बाद भी कनाडा के पीएम अपने बयान पर कायम है और उन्होंने शुक्रवार को कहा कि कनाडा हमेशा शांतिपूर्ण विरोध और मानवाधिकारों के अधिकार के लिए खड़ा रहेगा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इरादों को झटका

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी के मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उस समय बड़ा झटका लगा जब अमेरिका के अलग न्यायालयों ने ट्रंप चुनाव अभियान और उनके समर्थकों के चार राज्यों जॉर्जिया, मिशिगन, नेवादा और विस्कोंसिन में राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों के पलटने के प्रयासों पर पूर्णविराम लगा दिया।

जिला न्यायाधीश जेम्स रसेल ने नेवादा न्यायालय में सुनवाई के दौरान कहा कि राष्ट्रपति चुनावों के नतीजों को चुनौती देने का मामला खारिज किया जाता है। ट्रंप नतीजों के खिलाफ लड़ने विश्वसनीय सबूत देने में विफल रहे हैं। वही मिशिगन कोर्ट ने भी ट्रंप की अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप चुनावों में हुई धांधली को लेकर चिंतित है तो उन्हें कानून अनुसार काम करना चाहिए था, जो उन्होंने नहीं किया।

महागठबंधन को कांग्रेस की दो टूक

महाराष्ट्र में स्थिर सरकार चाहते हैं तो हमारे नेतृत्व पर टिप्पणी करना बंद करें : ठाकुर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार की टिप्पणी से नाराज कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र सरकार में अपने सहयोगी दलों को चेतावनी दे दी है। कांग्रेस ने शनिवार को दो टूक कहा कि अगर राज्य में स्थिर सरकार चाहते हैं तो पार्टी के नेतृत्व पर टिप्पणी करने से बचें। महाराष्ट्र कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष यशोमति ठाकुर ने यह चेतावनी दी है। वे महाराष्ट्र सरकार में मंत्री भी हैं।

ठाकुर की यह चेतावनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व में स्थिरता का अभाव बताया है। पवार ने यह टिप्पणी मराठी दैनिक लोकमत को दिए एक इंटरव्यू में की है। अंग्रेजी और मराठी में ट्वीट्स करते हुए ठाकुर ने एमवीए नेताओं के इंटरव्यू, लेखों का भी उल्लेख किया है। ठाकुर ने ट्वीट करते हुए कहा कि मैं एमवीए में सहयोगियों से अपील कर रही हूं कि यदि आप महाराष्ट्र में स्थिर सरकार चाहते हैं, तो कांग्रेस के नेतृत्व पर टिप्पणी करना बंद कर दें। उन्होंने कहा कि हर किसी को गठबंधन के बुनियादी नियमों का पालन करना चाहिए।

कांग्रेस नेतृत्व बहुत मजबूत और स्थिर

ठाकुर ने कहा कि हमारा नेतृत्व बहुत मजबूत और स्थिर है। ठाकुर ने कहा कि एमवीए का गठन लोकतांत्रिक मूल्यों में हमारी मजबूत धारणा का परिणाम है। एनसीपी और शिवसेना के नेताओं ने पवार की टिप्पणी को खारिज कर दिया है। नेताओं ने कहा कि उनसे बयान और राज्य सरकार की स्थिरता से कोई लेना देना नहीं है।

एमवीए के भीतर अच्छा समन्वय एनसीपी

एनसीपी के प्रवक्ता उमेश पाटिल ने कहा है कि पवार के बायन को उनकी उम्र और अनुभव को देखते हुए सकारात्मक रूप से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की स्थिरता पर ठाकुर की टिप्पणी अनावश्यक है। एमवीए के भीतर अच्छा समन्वय है। वहीं, शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि पवार ने राहुल गांधी के बारे में जो कुछ भी कहा है उसका एमवीए सरकार की स्थिरता से कोई लेना-देना नहीं है।

चीन में कोविड-19 के टीके को बड़े स्तर पर बाजार में उतारने की तैयारी

एजेंसी, ताइप। चीन की प्रांतीय सरकारें स्वदेश निर्मित कोरोना वायरस के प्रायोगिक टीकों के लिए ऑर्डर दे रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी तक इस बारे में नहीं बताया है कि टीके कितने प्रभावी हैं और देश की 1.4 अरब आबादी तक कैसे पहुंचेंगे। चीन के विदेश मंत्री ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में कहा कि टीका निर्माता अंतिम परीक्षण की प्रक्रिया को तेज कर रहे हैं। ब्रिटेन ने फाइजर कंपनी के टीके को आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दे दी है। चीन के चार निर्माताओं के पांच संभावित टीकों का रूस, मिस्त्र तथा मेक्सिको समेत एक दर्जन से अधिक देशों में परीक्षण चल रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीके सफल होने के बाद भी अमेरिका, यूरोप, जापान और अन्य विकसित देशों में उपयोग के लिए टीके के प्रमाणन की प्रक्रिया अत्यंत जटिल हो सकती है।

सजा

कोरोना महामारी को लेकर किम जोंग उन का तुगलकी फरमान

नियम तोड़ने पर आरोपी को गोलियों से भुनवाया

सियोल, (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के तानाशाह शासक किंग जोंग उन अपनी क्रूरता और सनक के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। एक बार फिर उनकी क्रूरता की चर्चा दुनियाभर में हो रही है। इस बार मामला कोरोना वायरस से जुड़ा हुआ है। दरअसल, कोरोना का नियम तोड़ने पर किम ने आरोपी को सरेआम गोलियों से भुनवा दिया। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए उत्तर कोरिया में कड़ा प्रतिबंध लागू है। नियम का पालन नहीं करने वाले लोगों को कड़ी सजा भी दी जा रही है। इसमें मौत की सजा भी शामिल है। हालांकि, उत्तर कोरिया में मौत की सजा देने को आम माना जाता है।

गोलियां से भुनवाने का तुगलकी फरमानः मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तर कोरिया में हाल ही में एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए जान गंवानी पड़ी, क्योंकि उसने कोविड-19 को लेकर लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। सनकी किम इस उल्लंघन से इस कदर नाराज हो गए कि उन्होंने आरोपी व्यक्ति को मौत की सजा का तुगलकी फरमान जारी कर दिया।

लोगों के बीच बना रहे डर इसलिए गोली मारी गईः रेडियो फ्री एशिया के हवाले से अंग्रेजी अखबार डेली मेल ने लिखा कि कोरोना नियमों को लेकर लोगों के बीच डर पैदा करने के लिए किम के आदेश पर 28 नवंबर को उत्तर कोरिया की सेना ने एक व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से गोलियों से भून दिया। आरोपी व्यक्ति को लेकर बताया गया कि उस पर आरोप है कि उसने प्रतिबंधों को तोड़ते हुए उत्तर कोरिया में चीनी सामानों की तस्करी की। ऐसा करते हुए उसे स्थानीय सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद फायरिंग स्कॉड ने उसे सरेआम गोली मार दी।

एंटी एयरक्राफ्ट बंदूकें सीमा पर तैनात

वहीं, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि किम जोंग उन ने नागरिकों में खौफ पैदा करने के लिए चीन से सटी अपनी सीमा पर एंटी एयरक्राफ्ट बंदूकों को तैनात किया हुआ है। इन हथियारों को सीमा पर तैनात करते हुए आदेश दिया गया है कि एक किमी दायरे में किसी भी व्यक्ति को देखते ही गोली मार दिया जाए।

उत्तर कोरिया ने कहा- अभी नहीं मिला कोरोना का एक भी मामला

उत्तर कोरिया ने आधिकारिक रूप से दावा किया है कि उसके देश में कोरोना वायरस का एक भी मामला रिपोर्ट नहीं किया गया है, लेकिन दुनियाभर के देशों को उसके इस दावे पर शक है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया में कड़े सेंसरशिप लागू हैं, इसलिए सूचनाओं का बाहर निकलना बेहद मुश्किल है। ऐसे में सरकारी दावे की पुष्टि नहीं की जा सकती है।

चांद पर झंडा फहराने वाला चीन दूसरा देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका के बाद चीन चंद्रमा पर अपना झंडा फहराने वाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है। अमेरिका ने लगभग 50 साल पहले ही चंद्रमा पर अपना झंडा फहरा चुका था। चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने चंद्रमा पर फहराए गए अपने झंडे का फोटो शेयर किया है, जो कि चांग-5 स्पेसक्रॉफ्ट से लिया गया है।

चीनी मीडिया ने कहा है कि देश के एयरोस्पेस इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। जब चंद्रमा पर पांच सितारा वाले लाल राष्ट्रीय ध्वज को चंद्रमा पर फहराया है। चांग-5 चंद्रमा पर सफलतापूर्व उतरने वाला तीसरा चीनी अंतरिक्ष यान है और वहां से टेक ऑफ करने वाला पहला। यह बीजिंग के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यकर्म के लिए बड़ी उपलब्धि है। चीन के इस अतंरिक्ष यान द्वारा चंद्रमा से जुड़ी बहुत सी जानकारी सामने आ सकती है। खासकर उसकी मिट्डी और चट्टान के नमूनों से चंद्रमा की उत्पत्ति, भूगर्भीय विकास और ज्वालामुखी से जुड़ी जानकारी सामने आ सकती है। स्पेस प्रोब का 16 दिसंबर को इनर मंगोलिया में उतरने में उम्मीद है।

विवाह को लेकर हमारे यहां पांचवीं सदी से ही दर्जनों ग्रंथों का लेखन हुआ। सबसे प्रामाणिक और सारमूलक ग्रंथ 'विवाह वृंदावन' है। इसमें विवाह के लिए मंगल दोष पर कोई विचार नहीं है। ज्योतिष के माने हुए विद्वान केशवार्क ने इस ग्रंथ की रचना पंद्रहवीं सदी में की।

मंगल दोष घबराएं नही

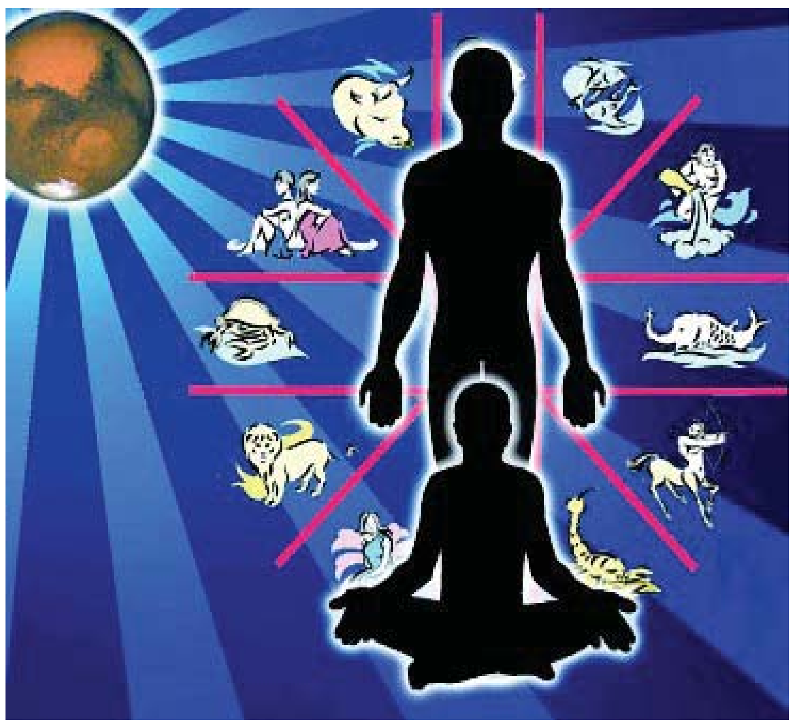

मांगलिक दोष को लेकर युवक-युवती ही नहीं, अभिभावक भी भयग्रस्त रहते हैं, जबकि यह दोष अव्वल तो शास्त्र स मत नहीं है, यदि इसे विभिन्न तर्कों से खड़ा भी कर दिया तो इससे घबराने की जरूरत नहीं है। न तो बच्चों में इस बात को बिठाया जाए कि इस दोष के कारण वे वांछित लक्ष्य नहीं पा सकते या वांछित घर नहीं पा सकते हैं और न ही ऐसा खुद भी सोचना चाहिए।

क्या कहते हैं शास्त्र

जिस तरह विगत कुछ वर्षों में ज्योतिष में कालसर्प का उदय हुआ है, उसी तरह मंगली दोष का आगमन भी है। अकेले विवाह को लेकर हमारे यहां पांचवीं सदी से ही दर्जनों ग्रंथों का लेखन हुआ। सबसे प्रामाणिक और सारमूलक ग्रंथ 'विवाह वृंदावन' है। इसमें विवाह के लिए मंगली दोष पर कोई विचार नहीं है। ज्योतिष के माने हुए विद्वान केशवार्क ने इस ग्रंथ की रचना पंद्रहवीं सदी में की। मंगली दोष को कथित तौर पर जीवन में विषपान तुल्य बताने वाले और इससे घबराने वालों को 'विवाह वृंदावन' का अवश्य अध्ययन करना चाहिए। विवाह के मुद्दे पर कई भ्रांतियों का निवारण हो सकता है। मंगल को लेकर जो कुछ तर्क आते हैं, वे दरअसल सौ-डेढ़ सौ सालों से अधिक पुराने नहीं मिलते जिनमें बृहद्दैवज्ञरंजन के कुछ श्लोक शामिल हैं, किंतु ग्रंथकार रामदीन ने कहीं उनका स्रोत नहीं बताया है। नारदपुराण में विवाह के इक्कीस दोष बताए गए हैं, किंतु उनमें भी मंगली दोष नहीं हैं।

क्या हो सकते हैं उपाय

'विवाह वृंदावन' में विवाह के लिए कन्या एवं वर के अंग लक्षणों, संबंध काल में होने वाले निमित्तों या शकुनों, प्रश्नों, लग्नकाल आदि पर भी विस्तार से विचार हुआ है और कहा गया है कि यदि गोधूलि बेला में लग्न हो जाए तो हजार दोष भी हों, तो उनका निवारण हो जाएगा। गुरु पक्ष में हो तो भी हजार दोष अमान्य हो जाते हैं।

विवाह लग्न की कुंडली

ऐसा नहीं है कि केशवार्क ने कुंडली में मंगल की स्थिति पर विचार नहीं किया हो। केशवार्क का कथन है कि विवाह-लग्न की कुंडली अवश्य देखनी चाहिए न कि वर-वधू की कुंडली।

इस कुंडली के अनुसार यदि पहले भाव से लेकर बारहवें भाव तक मंगल हो, तो वह अन्य ग्रहों की दृष्टि के अनुसार फल देगा। यह कुंडली विवाह समय को देखकर बनानी चाहिए, किंतु आज ऐसा नहीं होता है। विवाह लग्न की कुंडली ही नहीं बनाई जाती जबकि कुछ ही काल पहले ऐसा किया जाता था और इसी आधार पर वर-वधू के भविष्य का पूर्वानुमान किया जाता था। आज पंचांगों के आधार पर मुहूर्त देखने वालों को मूल परंपरा को अवश्य देखना चाहिए और यह सर्वसम्मत राय बनानी चाहिए कि मंगली दोष जैसा विचार मिथ्या और निर्मूल है।

वैधव्य योग निवारण

हेमाद्रि ने चतुर्वर्ग चिंतामणि में सावित्री व्रत करने का निर्देश किया है। संहिताकार ने इन्हीं उपायों के सहारे कहा है- *अवैधव्यकरै: योगे: विवाहपटलोदिते। वरायायुष्य देया कन्या वैधव्य योगजा।* ज्ञानभास्कर नामक ग्रंथ में चैत्र या आसोज मास में पीपल की पूजा से वैधव्य योग के निवारण की बात कही गई है। इसी प्रकार मुहूर्तचिंतामणि की पीयूषधारा टीका (6, 7) में सूर्य-अरुण संवाद से कहा गया है कि कुंभ विवाह, अश्वत्थ विवाह, विष्णु प्रतिमा से विवाह करने से जोड़ा चिरायु होता है। इस बात का कोई पुङ्क्ता प्रमाण नहीं है कि मंगल दोष वाली युवती के लिए मंगली युवक ही ढूंढ़ा जाए। नरसिंहपुराण (30, 35) में कन्यादान को स्वयं मंगल कहा गया है— *अश्वदानेन प्रव्याह कन्यादानेन मंगलम्।* आर्यासप्तति प्रश्नग्रंथ के कर्ता भट्ट उत्पल ने रिश्ते की बात चलाते समय ही कुंडली बनाकर अथवा उस समय के शकुन वर-कन्या के वैवाहिक जीवन के स्थायित्व अथवा विच्छेद पर विचार करने की आज्ञा दी है। ऐसे में मंगली-मंगला का विचार निर्मूल ही सिद्ध होता है। जातक ग्रंथों में सामुद्रिक लक्षण ग्रंथों के आधार पर कन्या के शारीरिक लक्षणों को देखने का वर्णन मिलता है। इस आधार पर देह की बनावट, काया पर काले-लाल तिल, हाथों और पांवों की अंगुलियों, अंगूठों पर चक्र आदि की गणना के आधार पर भी कन्या के भाग्य की परीक्षा संभव है।

विद्या, संगीत और बुद्धि की देवी मां सरस्वती

मां सरस्वती विद्या, संगीत और बुद्धि की देवी मानी गई हैं। देवीपुराण में सरस्वती को सावित्री, गायत्री, सती, लक्ष्मी और अंबिका नाम से संबोधित किया गया है। प्राचीन ग्रंथों में इन्हें वाग्देवी, वाणी, शारदा, भारती, वीणापाणि, विद्याधरी, सर्वमंगला आदि नामों से अलंकृत किया गया है। यह संपूर्ण संशयों का उच्छेद करने वाली तथा बोधस्वरूपिणी हैं। इनकी उपासना से सब प्रकार की सिद्धियां प्राप्त होती हैं। ये संगीतशास्त्र की भी अधिष्ठात्री देवी हैं। ताल, स्वर, लय, राग-रागिनी आदि का प्रादुर्भाव कहलाती हैं। सप्तविध स्वरों का ज्ञान प्रदान करने के कारण ही इनका नाम सरस्वती है। वीणावादिनी सरस्वती संगीतमय आह्लादित जीवन जीने की प्रेरणावस्था है। वीणावादन शरीर यंत्र को एकदम स्थैर्य प्रदान करता है। इसमें शरीर का अंग-अंग परस्पर गुंथकर समाधि अवस्था को प्राप्त हो जाता है। साम-संगीत के सारे विधि-विधान एकमात्र वीणा में सन्निहित हैं। मार्कण्डेयपुराण में कहा गया है कि नागराज अश्वतारा और उसके भाई काम्बाल ने सरस्वती की शिक्षा प्राप्त की थी। वाक् सत्त्वगुणी सरस्वती के रूप में प्रस्फुटित हुआ।

सरस्वती के सभी अंग श्वेताभ हैं, जिसका तात्पर्य यह है कि सरस्वती सत्त्वगुणी प्रतिभा स्वरूपा हैं। इसी गुण की उपलब्धि जीवन का अभीष्ट है। कमल गतिशीलता का प्रतीक है। यह निरनेक्ष जीवन जीने की प्रेरणा देता है। हाथ में पुस्तक सभी कुछ जान लेने, सभी कुछ समझ लेने की सीख देती है।

देवी भागवत् के अनुसार, सरस्वती को ब्रह्मा, विष्णु, महेश द्वारा पूजा जाता है। जो सरस्वती की आराधना करता है, उसमें उनके वाहन हंस के नीर-क्षीर-विवेक गुण अपने आप ही आ जाते हैं। माघ माह में शुक्ल पक्ष की पंचमी को बंसत पंचमी का पर्व मनाया जाता है, तब संपूर्ण विधि-विधान से मां, सरस्वती का पूजन करने का विधान है। लेखक, कवि, संगीतकार सभी सरस्वती की प्रथम वंदना करते हैं। उनका विश्वास है कि इससे उनके भीतर रचना की ऊर्जा शक्ति उत्पन्न होती है। इसके अलावा मां सरस्वती देवी की पूजा से रोग, शोक, चिंताए और मन का संचित विकार भी दूर होता है। इस प्रकार वीणाधारिणी, वीणावादिनी मां सरस्वती की पूजा-आराधना में मानव कल्याण का समग्र जीवनदर्शन निहित है। सतत् अध्ययन ही सरस्वती की सच्ची आराधना है।

मां सरस्वती के पूजन से इंसान विद्वान बनता है। विद्वता से साराबोर व्यक्ति स्वाभिमानी होते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरस्वती के उपासक निर्धन होते हैं, ऐसी किंवदंतियां मिलती हैं, परंतु सच यह है कि विद्वान लोग कभी भूखे नहीं मरते। शास्त्र संवत् सत्य यह है कि भृगु जी की लात एक बार विष्णु जी की पीठ पर पड़ी थी, तब उनकी अर्धांगिनी लक्ष्मी जी ने इसे अन्यथा लिया था और कहा था कि वह कभी ब्राह्मणों के पास वास नहीं करेंगी। लेकिन खुद विष्णु जी ने इस घटना को सहजता से लेते हुए भृगु जी से पूछा था कि उनकी सख्त पीठ से कहीं उनके नाजुक पांव को ठेस तो नहीं पहुंची? लेकिन स्वाभिमानी लोग लक्ष्मी को झुकाना जानते हैं तथा जो लोग सरस्वती के उपासक हैं लक्ष्मी खुद-ब-खुद उनके चरणों में रहती है। विद्या की देवी हंस पर सवार रहती है। छात्र वर्ग सरस्वती जी की पूजा से स्वाभिमानी और उन्नति प्राप्त करता है और उसे कदम-कदम पर सफलता मिलती है।

मंदिरों का ऊँचाई पर बने होने का रहस्य

पहाड़ों का क्षेत्र बहुत ही रम्य-सुरम्य होता है। वहां का वातावरण बहुत सुंदर होता है। पहाड़ी क्षेत्रों में ऊंचे-ऊंचे पेड़-पौधे और सुंदर पुष्पों से क्षेत्र की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। पहाड़ों के ऊंचे टीले आदि देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। ऐसे सुंदर मनोरम स्थान पर देवी-देवताओं का वास हो तो दर्शनार्थी (दर्शन करने वाले का) मन वह सुंदर दृश्य देखकर पहले ही प्रसन्न हो जाता है उसके बाद मंदिर में प्रवेश करने पर पूर्ण शांति मिलती है। चहल-पहल और पापमय जिन्दगी से दूर पहाड़ी क्षेत्र में लोग शांति के लिए जाते हैं और वहां देवी-देवताओं का दरबार हो तो बात ही निराली है। देवी-देवता मनुष्यों से दूर नहीं रहना चाहते बल्कि उन्हें एकांत में बुलाकर शांति प्रदान करने का मार्ग प्रदान करते हैं। जहां चारों तरफ चिल्ल-पों होती रहेगी तो वहां देवी-देवताओं का ध्यान या पूजा करने हेतु आप चाहकर भी अपने मन को एकाग्र नहीं कर सकते। मन की एकाग्रता के लिए एकांत स्थान ही उत्तम होता है। पूर्वकाल में ऋषि-महर्षि भी पहाड़ों की कन्दराओं और वनों में रहकर तप करते थे।

गणेशजी करते हैं वास्तुदोष निवारण

जिस घर में गणेशजी की पूजा होती है, वहां समृद्धि बरसती है और लाभ भी होता है। गणेशजी की स्थापना अपने घर के द्वार के ऊपर तथा ईशान कोण में कर पूजा की जा सकती है, परंतु गणेशजी को कभी तुलसी न चढ़ाएं और न ही अर्पण करें। अन्य वास्तु प्रयोग यदि मकान में द्वारवेध हो, तो वहां रहने वाले हमेशा परेशानी में रहते हैं। मकान के द्वार के सामने यदि वृक्ष, मंदिर, खंभा आदि हो, तो इसे द्वारवेध कहा जाता है। ऐसे द्वार पर गणेशजी की बैठी हुई मूर्ति या प्रतिमा लगानी चाहिए। इसका आकार 11 अंगुल से अधिक नहीं होना चाहिए। जिस रविवार को पुष्य नक्षत्र हो, तब सफेद या सफेद मंदार के मूल के गणेशजी की स्थापना करनी चाहिए। इसे संपूर्ण-स्वार्थ सिद्धिकारक कहा जाता है। इसके पहले गणेशजी को रिद्धि-सिद्धि के साथ पदार्पण करने के लिए निमंत्रण देना चाहिए और दूसरे दिन रविपुष्य योग में लाकर घर के ईशान कोण पर उनकी स्थापना करनी चाहिए। घर में पूजा के लिए लाई जाने वाली गणेशजी की मूर्ति शयन अवस्था या बैठी अवस्था में हो, तो बहुत ही उपयोगी साबित होती है। कला अथवा शिक्षा में विकास के लिए गणेशजी की पूजा करनी है, तो नृत्य करती हुई गणेश प्रति ॥ ही लगानी चाहिए।

महामृत्युंजय मंत्र का महत्व

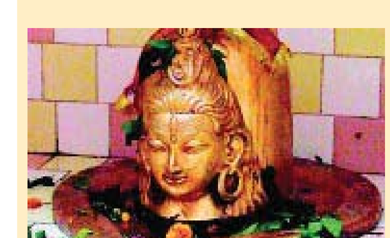

महामृत्युंजय मंत्र भगवान शिव को प्रसन्न करके उनकी असीम कृपा प्राप्त करने का अद्भुत माध्यम है। महामृत्युंजय मंत्र का विधि-विधान से सवा लाख जाप करने से आने वाली बीमारियों, अनिष्ट ग्रहों के दुष्प्रभाव को समाप्त करने, अटल मृत्यु को टालने आदि के लिए आशानुकूल परिणाम प्राप्त होते हैं। ऋग्वेद में महामृत्युंजय मंत्र इस प्रकार दिया गया है- *ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात्।।* इस मंत्र को संपुटयुक्त बनाने के लिए इसका उच्चारण इस प्रकार किया जाता है- *ॐ हौं जूं स: ॐ भूर्भुव: स्व: ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ॐ भूर्भुव: स्व: स: जूं हौं ॐ।*

हस्तरेखाओं में केतु की स्थिति

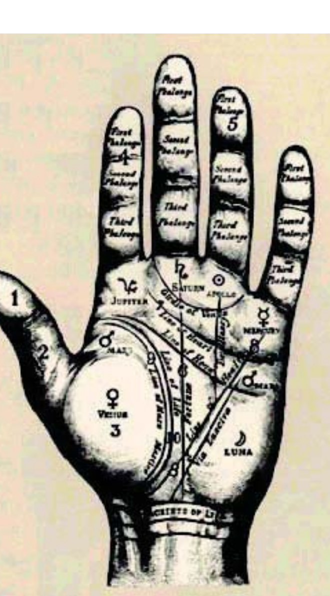

हथेली के निम्न भाग में शुक्र और चंद्र से घिरा हुआ केतु का उभार होता है। यही केतु-क्षेत्र हैं। नीचे की ओर मणिबंध, ऊपर की ओर मंगल और सूर्य आदि ग्रह हैं। केतु-क्षेत्र के महत्व के कारण इस प्रकार हैं।

- यह शनि रेखा के कारण जातक को भाग्यशाली बनाता है। अशिक्षित होते हुए भी शिक्षित जैसा गुण अपने अंदर रखता है।

रुपए-पैसे के मामले में सदैव प्रसन्न और सुखी रहता है। यदि राहु सक्षम तथा योगकारक हो तो जीवनकाल में उन्नति के सुवसर बराबर आते हैं।

- सूर्य रेखा के सबल और निर्दोष होने पर जातक लॉटरी, सट्टा, जुआ, रेस आदि से किसी-न किसी प्रकार अतुल धन प्राप्त करता है।

ऐसा मनुष्य बड़ा ही मेधावी बनकर विचार करता है। उसकी मनन एवं निर्णय शक्ति तीव्र और उपजाऊ होती है। अपने मुख से ऐसी उक्तियां अभिव्यक्त करता है जो दूसरे मनुष्यों को विस्मय में डाल देने वाली होती हैं। इसका प्रभाव देर तक दूसरों के बुद्धि पटल पर छाया रहता है।

केतु का प्रभाव प्रथमावस्था में पड़ता है और राहु का मध्मावस्था में। फिर भी मेधा पटल इतना विकसित हो जाता है कि चरित्रचर्चा एवं मूल्यांकन सरल नहीं होता। कभी-कभी वह कूट और चिंतन की वस्तु बन जाता है।

विशेष- यदि भाग्य रेखा और सूर्य रेखा दूषित हो तथा राहु का उभार भी त्रुटियों से भरपूर हो तो केतु का जातक संभव घर में पैदा होने के बावजूद कभी भी उन्नति नहीं कर पाता। वह जीवन के मध्यकाल में ही दुर्दिनों की काली छाया से उत्पीड़ित होगा तथा बुरे दिन देखेगा। उसके जीवन में ऐसे उग्र क्रांतिकारी परिवर्तन अनायास उत्पन्न होंगे। वह किसी भी प्रयत्न से संवृद्धि और संपदा प्राप्त नहीं कर पाएगा।

ऐसा जातक बड़ा ही भ्रमित संदिग्ध तथा असफल रहेगा। अधार्मिक बन जाएगा, असंगत वाणी बोलेगा और देवी-देवताओं की उपेक्षा करेंगा। वह इतना भुजंगी एवं कदाचारी होगा कि चरित्र ही भ्रष्ट हो जाएगा। किसी के लाख समझाने पर भी नहीं मानेगा। नेत्र मूंदकर अनिष्टों से अनुराग करेगा। उसके जीवन में प्रलय-सी मच जाएगी। ऐसे में पागल होने की संभावना है। वह आत्महत्या भी कर सकता है। उसकी दशा अनाथों जैसी हो सकती है।

कहते हैं कि सदाशिव भगवान, देवताओं पर प्रेम न्यौछावर करते समय स्वयं द्रवीभूत हो गए...

शिव यूं बने हिमलिंग

माता पार्वती ने सदाशिव महादेव से प्रश्न किया कि- 'प्रभो! मैं यह जानना चाहती हूं कि आप अमरनाथ गुफा में क्यों स्थित हुए और अमरेश क्यों कहलाए?' पार्वती का प्रश्न सुनकर शिव कहने लगे- 'देवी, अमरेश तीर्थ के श्रवण मात्र से मनुष्य के अनगिणत पाप कट जाते हैं। आदिकाल में ब्रह्मा, प्रकृति, अहंकार, पर्वतादि संसार की उत्पत्ति हुई। इसके बाद देवता, ऋर्षि, पित्तर, गंधर्व, राक्षस, सर्प, यक्ष, भूतगण, दानव आदि उत्पन्न हुए। इंद्रादि सहित सभी देवता मृत्यु के वश में हुए थे। तब मृत्यु के भय से त्रस्त सभी देवता सदाशिव के पास गए। सदाशिव की स्तुति करने के बाद बोले, 'हमें मृत्यु बाधा करती है, आप कोई ऐसा उपाय बताएं कि मृत्यु हमें बाधा न पहुंचाए।' देवताओं की प्रार्थना सुनकर सदाशिव कहने लगे 'मैं आप लोगों की मृत्यु के भय से रक्षा करूंगा।' इतना कह कर उन्होंने अपने सिर पर से चंद्रमा की कला को उतारकर निचोड़ा और देवगणों से बोले 'यह आप लोगों के मृत्यु रोग की औषधि है।' उस चंद्रकला के निचोड़ने से पवित्र अमृत की धारा बह निकली। यही धारा बाद में अमरधारा या अमरावती नदी के रूप में विख्यात हुई। चंद्रकला को निचोड़ते हुए भगवान सदाशिव के शरीर पर जो अमृत बिंदु गिरे, वह सूखकर पृथ्वी पर गिर पड़े और भस्म का रूप धारण कर गए। (इसी भस्म को आज भी शिवभक्त गुफा से लेकर जाते हैं।) कहते हैं कि सदाशिव भगवान, देवताओं पर प्रेम न्यौछावर करते समय स्वयं द्रवीभूत हो गए। देवगण उन्हें जल स्वरूप में देखकर उनकी स्तुति करते हुए प्रणाम करने लगे। तब भगवान यथार्थ रूप में आ गए और देवताओं में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। (श्री सदाशिव के द्रवीभूत होने और यथार्थ रूप में आने के कारण तभी से प्रत्येक पक्ष में अमृता पिघलता और जमता है।) द्रवीभूत हुआ इस कठिन होकर लिंग रूप में परिवर्तित हो गया। देवताओं को प्रसन्न देखकर सदाशिव बोले- 'हे देवताओ, आप सभी ने मेरा बर्फ का लिंग-शरीर इस गुफा में देखा है, अत: मेरा आशीर्वाद है कि अब आपको मृत्यु का भय नहीं रहेगा। अब आप यहीं पर अमर होकर शिवरूप को प्राह्रश्वत हो जाओ। आज से मेरा यह अनादि लिंग-शरीर तीनों लोकों में अमरेश के नाम से विख्यात होगा।' इसके बाद देवता, इस अमरेश्वर महाराज के लिंग-शरीर को नमस्कार और परिक्रमा करके अपने अपने स्थान को चले गए। मगर सत्ता रूप में गुफा में भी बने रहे। भगवान सदाशिव देवताओं को वर देकर उसी दिन से लीन होकर गुफा में विराजमान हो गए। श्री सदाशिव ने अमृतरूप सोमकला को धारण करके देवताओं की मृत्यु का नाश किया, इसीलिए उनका नाम अमरेश्वर प्रसिद्ध हुआ।

शिव लिंग का अर्थ क्या है?

जिसको जाना नही जाता, जो स्वयं ही कार्य रूप में व्यक्त हुआ है, जिससे इस संपूर्ण संसार की उत्पत्ति हुई है और जिसमें लीन हो जाएगा, उसे लिंग कहते हैं। विश्व की उत्पत्ति और लय का हेतु होने से उस परम पुरूष की लिंङ्गता है। लिंङ्ग शिव का शरीर है, क्योंकि वह इस रूप में अधिष्ठित है। 'लिंङ्ग' शब्द को लेकर बहुत भ्रम होता है। संस्कृत में लिंग का अर्थ है चिन्ह। इसी अर्थ में यह 'शिवलिंग' के लिए प्रयुक्त होता है। शिवलिंग का अर्थ है- 'शिव का, परमपुरूष का प्रकृति के साथ समन्वित चिन्ह।'

कबूतरों का रहस्य

कबूतरों का श्री अमर नाथ गुफा में दिखाई देना आज भी रहस्य बना हुआ है। वर्णित है कि देवी पार्वती ने श्री शिव से कहा कि कबूतरों का रहस्य हमें बतलाएं। इस रहस्य से पर्दा हटाते हुए श्री शिव ने कहा कि एक बार संध्या समय में हम नृत्य में मग्न थे कि गण आपस में ईर्ष्या के कारण 'कुरू-कुरू' शब्द करने लगे। क्रोधित होकर हमने उन्हें श्राप दे दिया कि तुम दीर्घ काल तक यही शब्द 'कुरू कुरू' का उच्चारण करते रहो। तदोपरांत वे रूढ़रूपी गण कबूतर हो गए और वहीं उनका स्थाई निवास हो गया। कहते हैं कि तभी से यहां पर कबूतरों का एक जोड़ा स्थाई रूप से रहता है।

अतिथि को देवता क्यों मानते हैं?

अतिथि कौन? वेदों में कहा गया है कि अतिथि देवो भव: अर्थात अतिथि देवतास्वरूप होता है। अतिथि के लक्षणों का वर्णन करते हुए महर्षि शातातप (लघुशाता 55) कहते हैं कि जो सज्जन बिना किसी प्रयोजन, बिना बुलाए, किसी भी समय और किसी भी स्थान से घर में उपस्थित हो जाए, उसे अतिथिरूपी देव ही समझना चाहिए। सूतजी के कथनानुसार अतिथि की सेवा सत्कार से बढ़कर कोई अन्य महान धर्म नहीं है। महाभारत के वनपर्व में अतिथि सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है कि जो व्यिात अतिथि को चरण धोने के लिए जल, पैरों की मालिश के लिए तेल, प्रकाश के लिए दीपक, भोजन के लिए अन्न और रहने के लिए स्थान देते हैं, वे कभी यमद्वार नहीं देखते।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तेलंगाना राष्ट्र समिति ने किसानों के भारत बंद के आह्वान का किया समर्थन

हैदराबाद। तेलंगाना राष्ट्र समिति ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ विभिन्न किसान संगठनों की तरफ से आठ दिसंबर को 'भारत बंद' के आह्वान का समर्थन किया है। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता इसमें सक्रियता से शामिल होकर बंद को सफल कराएंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने उन्हें उद्धृत करते हुए एक विज्ञप्ति में बताया कि राव ने समर्थन को सही ठहराया है और कहा है कि किसान वैध तरह से कृषि कानूनों का विरोध कर रहे हैं। कों का विरोध किया था क्योंकि इससे किसानों के हितों को नुकसान पहुंचता है। मुख्यमंत्री ने यह विचार प्रकट किया कि दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का प्रदर्शन इन कानूनों के वापस लिये जाने तक चलना चाहिए। शनिवार को कई विपक्षी पार्टियों ने 'भारत बंद' के आह्वान का अपना समर्थन किया था। नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि वे आठ दिसंबर को भारत बंद करेंगे।

पाकिस्तान सेना ने पुंछ, कठुआ में गांवों, सीमा चौकियों पर गोलाबारी की

जम्मू। पाकिस्तानी सैन्य बलों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ और कठुआ जिलों में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट गांवों एवं अग्रिम चौकियों पर गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागे। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इस दौरान भारतीय सीमा में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, ''पाकिस्तान ने पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास दोपहर करीब साढ़े 12 बजे छोटे हथियारों से बिना उकसावे के गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागे। भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया।'' अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान द्वारा कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में सीमा के पास पनसार अग्रिम चौकी में भी संघर्ष विराम समझौते के उल्लंघन की खबर है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से शनिवार रात करीब सवा 10 बजे गोलीबारी शुरू हुई, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल ने जवाबी कार्रवाई की। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शनिवार देर रात दो बजकर 25 मिनट तक जारी रही।

प्रचार के लिये अगर और समय रहता तो भाजपा 100 से ज्यादा सीटें जीतती: तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष

हैदराबाद। तेलंगाना में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बांडी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) चुनावों में प्रचार के लिये अगर और समय रहता तो भाजपा 100 से ज्यादा वार्ड में चुनाव जीतती और पार्टी विकास को लेकर टीआरएस सरकार के साथ सहयोग के लिये तैयार है। अन्य भाजपा नेताओं के साथ यहां भाजपा के नवनिर्वाचित पार्षदों से मुलाकात करने वाले कुमार ने दावा किया कि अगर टीआरएस, निर्वाचन प्राधिकारी, पुलिस और अन्य अधिकारी निष्पक्षता से काम करते तो पार्टी कम से कम 20 और सीटों पर जीत हासिल करती। लोकसभा सदस्य कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'प्रचार के लिये अगर और समय रहता तो निश्चित रूप से हम 100 से ज्यादा सीटें जीतते।' भाजपा ने जीएचएमसी के 150 वार्ड में से 48 वार्ड में जीत हासिल की, जो कि 2016 में हुए चुनावों में उसे मिली चार सीटों के मुकाबले काफी ज्यादा है। सत्ताधारी टीआरएस को 55 वार्ड में जीत हासिल हुई जबकि 2016 के चुनावों में उसे 99 वार्ड में जीत मिली थी।

भारत को भेदभावों से मुक्त करने के लिए काम करना ही आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सच्चा रास्ता: राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर कहा कि दलित आदर्शों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एकमात्र सच्चा रास्ता भारत को सभी प्रकार के भेदभावों से मुक्त करने की दिशा में काम करना है। भारत के संविधान के प्रमुख वास्तुकार एवं दलित आदर्श आंबेडकर का छह दिसंबर, 1956 को निधन हुआ था। गांधी ने ट्वीट किया, ''आज हम राष्ट्र निर्माण में डॉ. आंबेडकर के योगदान को याद कर रहे हैं। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का एकमात्र सच्चा रास्ता भारत को सभी प्रकार के भेदभावों से मुक्त करने की दिशा में काम करना है।

राजस्थान में कोरोना से संक्रमित 20 और लोगों की मौत, 2076 नये मामले

जयपुर। राजस्थान में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,076 नये मामले शनिवार को आये। राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़ कर अब 2,78,496 हो गई है। वहीं, राज्य में संक्रमण से 20 और लोगों की मौत हो गई, जिससे राज्य में कुल मृतक संख्या 2,409 तक पहुंच गई। अधिकारियों ने बताया कि बीते 24 घंटों में राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से 20 और मरीजों की मौत हुई है। जिससे मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 2,409 हो गयी। कोरोना वायरस संक्रमण से शनिवार को जयपुर में चार, कोटा में तीन,अजमेर, बाड़मेर, भरतपुर, जोधपुर में दो दो और संक्रमित मरीजों की मौत हो गई।

फाइजर की वैक्सीन को भारत में इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत मिलना मुश्किल, ट्रायल नहीं होना बन सकता है वजह

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नई दिल्ली। फाइजर ने कोरोना की अपनी वैक्सीन के भारत में इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए भले ही अर्जी लगाई हो, लेकिन इसके लिए इजाजत मिलना मुश्किल है। फाइजर की एमआरएनए तकनीक पर आधारित नई वैक्सीन का भारत में कोई ट्रायल नहीं हुआ है। भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल (डीसीजीआइ) वीजी सोमानी ने दो दिन पहले ही साफ कर दिया था कि विदेशों ट्रायल में सफल रही वैक्सीन को भारत में आने के पहले कम-से-कम ब्रीज ट्रायल करना अनिवार्य होगा। ब्रिटेन और बहरीन में इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत के मिलने के बाद भारत में कोरोना की वैक्सीन की इजाजत मांगने वाली पहली कंपनी बन गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फाइजर की अर्जी पर डीसीजीआइ के साथ-साथ नीति आयोग के सदस्य डाक्टर वीके पॉल की अध्यक्षता में वैक्सीन को लेकर गठित उच्च स्तरीय समिति विचार करेगी। लेकिन भारत में बिना किसी तरह के ट्रायल के वैक्सीन को इजाजत देना मुश्किल होगा। उन्होंने बताया कि फाइजर की वैक्सीन को लेकर डीसीजीआइ के पास तीन विकल्प हैं। पहला ये कि दूसरे देशों में हुए ट्रायल के डाटा के विश्लेषण के बाद वह सीधे भारत में भी इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत दे दे। महामारी जैसी आपदा के समय ऐसी इजाजत देने का अधिकार डीसीजीआइ को है।

दूसरा विकल्प यह है कि डीसीजीआइ फाइजर को भारत की धरती पर तीसरे फेज से लिमिटेड ट्रायल की शर्त के साथ इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत भी दे दे। ऐसे में प्राथमिकता वाले समूहों को फाइजर की वैक्सीन लगने के साथ-साथ उसका ट्रायल भी चलता रहेगा। तीसरा यह कि बिना किसी ट्रायल के डीसीजीआइ फाइजर के वैक्सीन के इस्तेमाल के लिए, साफ तौर पर मना सकता है। ऐसे में फाइजर को पहले भारत में तीसरे फेज का ट्रायल करना होगा, जिसके डाटा को देखने के बाद ही इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत मिलेगी। जैसा कि रूस की स्पुतनिक-पांच वैक्सीन के मामले में हो रहा है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अभी तक सरकार में सभी इस बात को लेकर एकमत हैं कि भारत में किसी भी वैक्सीन के इस्तेमाल की इजाजत देने के पहले उसका यहां के लोगों पर ट्रायल जरूर होना चाहिए। दो दिन पहले डीसीजीआइ के प्रमुख डीजी सोमानी ने साफ कर दिया कि किसी भी वैक्सीन की इजाजत देने के पहले उसकी कारगरता के साथ ही सुरक्षित होना उनकी पहली प्राथमिकता है। फाइजर की वैक्सीन कोरोना संक्रमण को रोकने में 95 फीसद कारगर रही है और इसका कोई साइड-इफेक्ट भी देखने को नहीं मिला है। लेकिन दूसरे देशों हुए ट्रायल का नतीजा भारत में भी वही रहेगा, यह दावे के साथ नहीं कहा जा सकता है।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश की जरूरत के हिसाब से फाइजर बड़ी मात्रा वैक्सीन सप्लाई करने की स्थिति में नहीं है। वह कई देशों के साथ करोड़ों डोज वैक्सीन सप्लाई करने का समझौता पहले कर चुका है। तीसरे फाइजर की वैक्सीन को -70 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर अल्ट्रा डीप फ्रीजर में रखना अनिवार्य है। वहीं भारत में आक्सफोर्ड-आस्ट्राजेनेका और भारत बायोटेक-आइसीएमआर की वैक्सीन तीसरे फेज के ट्रायल में भी एडवांस स्टेज में है।

इसके साथ ही स्पुतनिक-पांच का तीसरे फेज का ट्रायल शुरू हो चुका है और कैडिला की वैक्सीन के तीसरे फेज के ट्रायल की इजाजत मिल गई है। ये सभी वैक्सीन फ्रीज के सामान्य तापमान दो से आठ डिग्री पर रखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद बोल चुके हैं कि देश में निर्मित वैक्सीन चंद हफ्ते में उपलब्ध हो जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ऐसे में बिना ट्रायल के फाइजर की वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की इजाजत देना समझदारी का काम नहीं होगा।

किसानों के प्रदर्शन को गंभीरता से लेकर गतिरोध समाप्त करे केंद्र: शरद पवार

मुंबई। (एजेंसी)।

राकांपा प्रमुख शरद पवार ने रविवार को केंद्र से कहा कि वह किसानों के प्रदर्शन को गंभीरता से ले क्योंकि यदि गतिरोध जारी रहता है तो आंदोलन केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर से लोग कृषकों के साथ खड़े हो जाएंगे। पवार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जब किसान सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं तो इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा, ''लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि सरकार को अक्ल आएगी और वह मुद्दे के समाधान के लिए इसका संज्ञान लेगी। यदि यह गतिरोध जारी रहता है तो प्रदर्शन दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देशभर से लोग प्रदर्शनकारी किसानों के साथ खड़े हो जाएंगे।'' उल्लेखनीय है कि नए कृषि कानूनों के विरोध में हजारों किसान दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने आठ दिसंबर को 'भारत बंद' का आह्वान किया है। किसानों और केंद्र के बीच कई दौर की वार्ता के बावजूद मुद्दे का हल नहीं हो पाया है।

पवार ने कहा कि पंजाब और हरियाणा के किसानों का देश की कृषि एवं खाद्य श्रृंखला में सर्वाधिक योगदान है। उन्होंने कहा, ''इन राज्यों के किसान न सिर्फ हमारा पेट भरते हैं, बल्कि वे भारत की खाद्य अनाज आपूर्ति, खासकर एक दर्जन से अधिक देशों को चावल और गेहूं की आपूर्ति में बड़े आपूर्तिकर्ता भी हैं।'' पवार ने कहा कि जब तीनों कृषि विधेयक संसद में लाए गए तब भाजपा को छोड़कर सभी दलों ने कहा था कि विधेयकों को जल्दबाजी में पारित नहीं किया जाना चाहिए। पार्टियों ने विधेयकों पर चर्चा कराने और इन्हें प्रवर समिति को भेजे जाने की मांग की थी, लेकिन सरकार ने नहीं सुनी और अब उसे परिणाम भुगतने होंगे।

जम्मू-कश्मीर को विकास की नयी ऊंचाइयों पर ले जाना चाहती है मोदी सरकार: शाहनवाज हुसैन

जम्मू। (एजेंसी)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता शाहनवाज हुसैन ने रविवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर को विकास की नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये प्रतिबद्ध है तथा आतंकवादी हथियार छोड़कर कलम थाम लें। हुसैन ने हिंसा की राह नहीं छोड़ने वालों को अपने सफाए के लिये तैयार रहने की चेतावनी दी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हुसैन ने कहा, जम्मू-कश्मीर भारत का ताज है और हमारी सरकार शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर इस क्षेत्र का विकास चाहती है। हम यहां बिजली, पानी और बेहतर सड़कें सुनिश्चित करेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि बिजली कटौती और अंधेरा न हो, जो कांग्रेस तथा गुपकर गैंग की पहचान है।

जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव के सिलसिले में बीते 15 दिन से कश्मीर घाटी में मौजूद पूर्व केन्द्रीय मंत्री हुसैन रविवार सुबह जम्मू पहुंचे। वह अगले तीन दिन तक डोडा समेत विभिन्न इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के लिये प्रचार करेंगे और फिर घाटी लौट जाएंगे। हुसैन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्थानीय युवाओं के हाथ में कलम देखना चाहते हैं...बंदूक छोड़कर कलम उठा लो क्योंकि आतंकवाद में शामिल किसी भी व्यक्ति का खात्मा तय है। उन्होंने देश में बड़े हमले की आतंकवादियों की साजिश को नाकाम करने के लिये सुरक्षा एजेंसियों का आभार व्यक्त किया।

सुखबीर बादल का आरोप, भाजपा की पटकथा दोहरा रहे है अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई मुलाकात को लेकर शनिवार को उनकी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि अमरिंदर सिंह किसानों के आंदोलन को राष्ट्रीय सुरक्षा से कथित रूप से जोड़कर भाजपा की पटकथा को दोहरा रहे हैं। बादल ने आरोप लगाया कि अमरिंदर सिंह को दिल्ली तलब किया गया था और उनसे कहा गया था कि वह प्रवर्तन निदेशालय और किसानों के साथ विश्वासघात के बीच एक को चुनें, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने भाजपा के आगे समर्पण कर दिया है।

अमरिंदर ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्री और प्रदर्शन कर रहे किसानों से अपील की थी कि वे नए कृषि कानूनों पर जल्द कोई समाधान तलाशें, क्योंकि इससे पंजाब की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित हो रही है। बादल ने यहां एक बयान में कहा, शाह के साथ बैठक के बाद बाहर आते ही यह स्पष्ट हो गया कि उन्होंने (अमरिंदर सिंह) क्या चुना, क्योंकि उन्होंने पहली जो बात कही, वह यह थी कि किसान अपना आंदोलन खत्म करें। इसके लिए उन्होंने इस शांतिपूर्ण आंदोलन से राष्ट्र की सुरक्षा को खतरे का हवाला दिया। उन्होंने आरोप लगाया, बहादुर कैप्टन भाजपा आला कमान द्वारा दी गई पटकथा को मात्र दोहरा रहे हैं। वह इसे एक तोते की तरह गा रहे हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने कभी भी किसानों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा नहीं बताया है। उन्होंने कहा, उनकी टिप्पणी का संदर्भ यह था कि लंबे गतिरोध का फायदा हमारे शत्रु उठा सकते हैं जिनसे इन किसानों के बेटे लड़ रहे हैं। अमरिंदर ने शुक्रवार को भी कहा था कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या किसी अन्य से नहीं डरते हैं। अमरिंदर ने शनिवार को एक बयान में बादल पर पलटवार करते हुए कहा कि ईडी का कोई भी मामला उन्हें कभी भी लोगों के लिए लड़ने से रोक नहीं पाया है और वह बादलों की तरह नहीं हैं जो कमजोर हैं या किसानों से विश्वासघात करते हैं। उन्होंने कहा, मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ ईडी के मामलों में नया क्या है, जो मैं अचानक से डरने लग जाऊंगा।

कैलाश विजयवर्गीय का दावा, जनवरी से लागू हो सकता है सीएए

नयी दिल्ली। बारासात (पश्चिम बंगाल)। भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को कहा कि संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) अगले साल जनवरी से लागू हो सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार शरणार्थियों के प्रति हमदर्दी नहीं रखती है। उत्तर 24 परगना जिले में आर नोय अन्याय (अन्याय और नहीं) अभियान के इतर उन्होंने पत्रकारों से कहा, हमें उम्मीद है कि सीएए के तहत शरणार्थियों को नागरिकता देने की प्रक्रिया अगले साल जनवरी से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने सीएए को ईमानदार नीयत से पड़ोसी देशों से हमारे देश आए उत्पीड़ित शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए पारित किया था। विजयवर्गीय की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता और राज्य के मंत्री फरहाद हाकिम ने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल के लोगों को मूर्ख बनाने की कोशिश कर रही है। सीएए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आ गए हिंदू, सिख, बौद्ध, ईसाई, जैन और पारसी शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने का प्रावधान है।

कोरोना गया नहीं कि आंध्र प्रदेश में रहस्यमय बीमारी ने दी दस्तक, अस्पताल में भर्ती कराए गए 140 लोग, जानें क्या हैं लक्षण

एलुरु। (एजेंसी)।

देश से अभी कोरोना का खतरा भी नहीं हुआ है कि आंध्र प्रदेश में एक अजीबोगरीब बीमारी ने सनसनी मचा दी है। समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के एलुरु कस्बे के विभिन्न हिस्सों में लोगों में इस रहस्यमय बीमारी के लक्षण देखने को मिल रहे हैं। एलुरु के सरकारी अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. मोहन ने बताया कि इलाके में बीमार पड़ने वालों की संख्या बढ़ रही है। कई लोगों को मिर्गी या बेहोशी जैसे लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस रहस्यमयी बीमारी को लेकर छानबीन जारी है। इस वाकए से लोगों में दहशत का माहौल है। डॉ. मोहन ने बताया कि इस बीमारी के चलते पिछली रात से आज सुबह तक लगभग 140 लोगों को भर्ती और डिस्चार्ज कराया जा चुका है। हालांकि कुछ अन्य रिपोर्टों में तकरीबन 228 लोगों के अस्पतालों में भर्ती कराए जाने की बात कही गई है।

डॉक्टरों ने बताया कि लक्षणों में मतली और बेहोशी शामिल हैं। यही नहीं हैरानी की बात यह है कि जो डॉक्टर्स मरीजों की निगरानी कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन मरीजों का एक-दूसरे से कोई लेना-देना नहीं ना तो ये एक दूसरे के संपर्क में आए हैं। गौर करने वाली बात यह है कि सभी मरीज एलुरु के अलग-अलग क्षेत्रों के हैं। ये किसी सामूहिक कार्यक्रम में भी एक साथ जमा नहीं हुए।

डॉ. मोहन ने बताया कि बीमारी के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। मरीजों का लक्षणों के आधार पर इलाज किया जा रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, 76 महिलाओं और 46 बच्चों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मरीजों में ज्यादातर ज्यादा उम्र के लोग या बच्चे बताए जाते हैं। मरीजों की कोरोना जांच की गई जिसकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। विजयवाड़ा में आपात स्थितियों से निपटने के इंतजाम किए जा रहे हैं।

भाजपा से दोस्ती रहती तो सीएम बना रहता, कांग्रेस से हाथ मिलाकर जनता का भरोसा खो दिया: कुमारस्वामी

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस से हाथ मिलाकर तथा गठबंधन सरकार बनाकर पार्टी ने राज्य की जनता के बीच बनाया तथा 12 साल तक बरकरार रखा गया भरोसा खो दिया। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि वह जाल में फंस गए थे। उन्होंने कांग्रेस नेता सिद्धारमैया पर षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने भी उन्हें इतना बड़ा धोखा नहीं दिया। सिद्धारमैया ने पलटवार करते हुए कहा कि कुमारस्वामी झूठ बोलने में माहिर हैं और आंसू बहाना उनके परिवार की पुरानी आदत है।

कुमारस्वामी ने मैसूर में पत्रकारों से कहा, मैंने 2006-07 में (मुख्यमंत्री के तौर पर) राज्य की जनता का जो भरोसा हासिल किया था और जिसे 12 साल तक बरकरार रखा था वह कांग्रेस से हाथ मिलाकर खो दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कांग्रेस से हाथ नहीं मिलना चाहिये था, जिसने जद (एस) को भाजपा की बी टीम कहकर उसके खिलाफ अभियान चलाया था। लेकिन पार्टी सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा के रुख की वजह से वह गठबंधन सरकार बनाने के लिये राजी हुए थे। उन्होंने कहा, मेरी पार्टी को अपनी मजबूती खोकर उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है...मैं देवगौड़ा की भावनाओं के चलते जाल में फंस गया था, जिसका खामियाजा स्वतंत्र रूप से 28-40 सीटें जीतने वाली मेरी पार्टी को बीते तीन साल में हुए चुनाव के दौरान भुगतना पड़ा है। कुमारस्वामी ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह देवगौड़ा को इसका दोष नहीं दे रहे हैं क्योंकि वह धर्मनिरपेक्ष पहचान के प्रति अपने पिता की आजीवन प्रतिबद्धता को समझते तथा उसका सम्मान करते हैं।

गौरतलब है कि 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जब किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था तो एक -दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस - जद(एस) ने मिलकर सरकार बनाई थी और कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। दोनों पार्टियों ने पिछले साल साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा, जिसके बाद गठबंधन में आंतरिक मतभेद पैदा हो गए तथा कुछ विधायकों की बगावत के चलते गठबंधन सरकार गिर गई। कुमारस्वामी के आरोपों पर पटलवार करते हुए सिद्धारमैया ने आरोप लगाया, कुमारस्वामी झूठ बोलने में माहिर हैं, वह राजनीति की खातिर हालात के मुताबिक झूठ बोल सकते हैं।

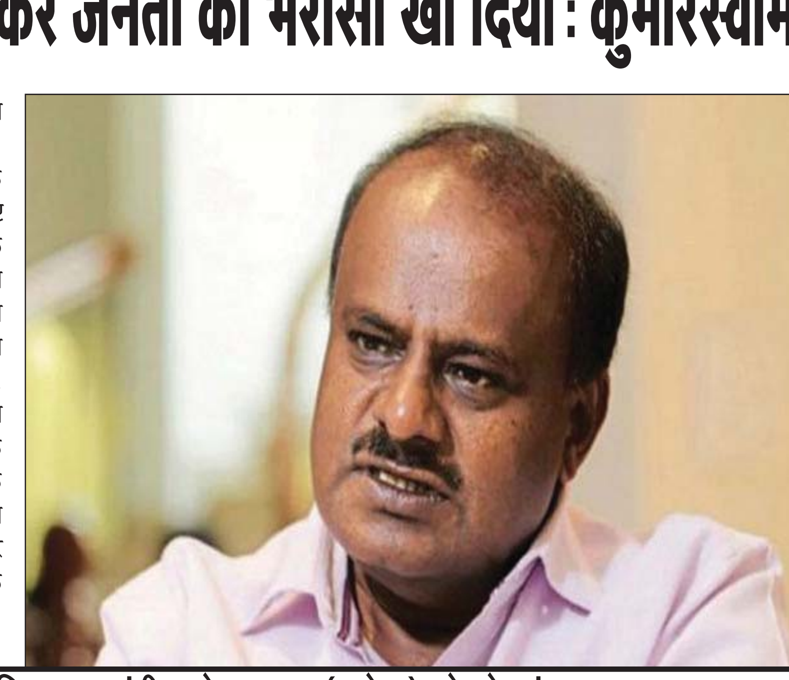

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)